

पुरस्कार एक सम्मान है, आपके ज्ञान, सेवा और समर्पण के लिए पर इस राज्य स्तरीय पुरस्कार से इतर भी ऐसे सम्माननीय शिक्षक मौजूद हैं, जिन्होंने अपनी विलक्षण दक्षता और प्रगतिवादी सोच से कुछ गढ़ा है, हम उन शिक्षकों से अनुरोध करते हैं कि वे अपनी इस सोच और सेवा को हरिभूमि के साथ साझा करें, जिसे हम 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रकाशित करेंगे। इस व्हाट्सएप नंबर पर वे 4 सितंबर तक फोटोग्राफ्स के साथ अपने किए कार्यों का ब्योरा भेज सकते हैं।

हरिभूमि व्हाट्सएप 6268747629

अंतिम तिथि 4 सितंबर

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, सामुदायिक सहभागिता और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करने वाले शिक्षक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पोर्टिया के शिक्षक पवन कुमार सिंह को राज्य शिक्षक पुरस्कार 2025-26 से सम्मानित किया जाएगा। अपने विद्यालय में जनसहभागिता

हरिभूमि न्यूज

दुर्ग

मल्टीमीडिया, एआई आधारित शिक्षा पर जोर: शिक्षण कार्य प्रारंभ करने के बाद उन्होंने विद्यालय को संसाधनयुक्त बनाना, विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन देना, समुदाय को विद्यालय से जोड़ना,

ड्रॉप आउट स्टूडेंट्स की शाला वापसी के लिए घर-घर भटके अब आठ गांवों के छात्र आते हैं पढ़ने

कच्चा। सीमित संसाधनों वाले ग्रामीण विद्यालय में यदि शिक्षक संकल्प और नवाचार के साथ काम करें तो शिक्षा की तस्वीर बदली जा सकती है। इसका उदाहरण है विकासखंड पंडरिया के शासकीय हाईस्कूल सोमनापुर नया के व्याख्याता संतोष कुमार साहू। इसीलिए उनका चयन वर्ष 2025-26 के राज्यपाल शिक्षक सम्मान के लिए हुआ है। शिक्षक दिवस 5 सितंबर 2026 को उन्हें

केंद्र सरकार की ताजा ‘सॉइल हेल्थ कार्ड’ रिपोर्ट से खुलासा

छत्तीसगढ़-मप्र की जमीन ‘बीमार’ मिट्टी में पोषक तत्वों का अकाल

हरिभूमि न्यूज

रायपुर/गोपाल

बच्चों और महिलाओं में हो रही है खून की कमी

अनाज से पोषक तत्व गायब!

मिट्टी की इस बहानी का खामियाजा केवल किसान की जेब को ही नहीं, बल्कि शहरी और गांवों में रहने वाले आम उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को भी भुगतना पड़ रहा है। खेत में जिन सूक्ष्म तत्वों की कमी हो रही है, वही पोषक तत्व हमारी थाली से भी गायब हो रहे हैं। अनाज में प्रोटीन की कमी फसलों की सही मात्रा में नाइट्रोजन और सल्फर न मिलने के कारण गेहूँ, चावल और दालों में नैचुरल प्रोटीन का निर्माण कम हो रहा है। गेहूँ के आटे की रोटियों का स्वाद और गुणवत्ता घटने के पीछे यह मुख्य वजह है।

क्यों बढ़ रही है खाद की खुराक: खेती की संहत का सबसे बड़ा आधार ‘ऑर्गेनिक कार्बन’ (जैविक तत्व) होता है। जिस तरह ईसान का पाचन तंत्र कमजोर होने पर भारी

नारिद्रोजन का अकाल

छत्तीसगढ़ की 82.88% और एमपी की 70.70% खेतों में नाइट्रोजन की भारी कमी है। इसी वजह से किसान को हर बार फसल हरी रखने के लिए यूरिया की मात्रा बढ़ानी पड़ती है। मिट्टी में जैविक कार्बन कम होने के कारण फसलें डाली जा रही रासायनिक खाद को पूरी तरह नहीं सोख पाती। नतीजा यह होता है कि आधी खाद पानी में बह जाती है या हवा में उड़ जाती है।

ये हो रहा है साइड इफेक्ट

छत्तीसगढ़ की 36.86% और मध्य प्रदेश की 48.55%जमीन में जिनक खतम हो रहा है। जब मिट्टी में जिनक नहीं होता, तो गेहूँ और चावल के दाने में भी जिनक नहीं पहुँच पाता। ऐसा अनाज खाने से लोगों में जिनक और आयरन की कमी हो रही है, जिससे बच्चों और महिलाओं में खून की कमी (एनीमिया) और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता की समस्या पैदा हो रही है।

पॉलिसी एक बार, फ़ायदे बार-बार.

7 सितंबर 2026 से उपलब्ध

एलआईसी की बीमा प्लेटिनम जीवन सुरक्षा, गारंटीड एडिशनल्स और अन्य कई लाभ प्रदान करती है, साथ ही आपके भविष्य को और समृद्ध बनाती है.

प्रस्तुत है एलआईसी की बीमा प्लेटिनम

यूआईएन: 512N397V01 | प्लान नं.: 770

नॉन-पार, नॉन-लिंग्ड, जीवन, व्यक्तिगत, बचत योजना

मुख्य विशेषताएँ:

- गारंटीड एडिशनल्स - प्रत्येक ₹1,000/- के कुल वार्षिकीकृत प्रीमियम पर ₹70/- की दर से प्रतिवर्ष प्रीमियम भुगतान अवधि (Premium Paying Term-PPT) के दौरान अर्जित होंगे
- ब्रुस्टर इनकम बेनिफिट - PPT के बाद 5वें वर्ष के अंत में मूल बीमा राशि का 70%
- नियमित आय लाभ - भुगतान अवधि (Policy Term minus PPT) के दौरान मूल बीमा राशि का 10% प्रतिवर्ष समाप्ति पर
- मौजूदा एलआईसी पॉलिसीधारकों तथा दिवंगत पॉलिसीधारकों के नामितों/लाभार्थियों के लिए रिबेट
- राइडर लाभों के माध्यम से बीमा सुरक्षा बढ़ाने का विकल्प

ऑनलाइन भी उपलब्ध

व्यूआर कोड स्कैन करें और My LIC App डाउनलोड करें

मित्र की. licindia.in

कॉल सेंटर सर्विस (022) 6827 6827

हमारा कॉन्सल्ट नं. 8976862090

कॉल सेंटर सर्विस (022) 6827 6827

भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

हमें यहाँ फ़ॉलो करें: f X in LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

धोखेपट्टी वाले फ़ोन कॉल तथा धुले/धमक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बेनस की घोषणा या प्रीमियम के निवेश, राशियाँ लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या सम्पादित प्राहकों को ऐसे फ़ोन कॉलस मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के सम्पन्न से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

7 सितंबर 2026 से उपलब्ध

रहे खुशियाँ सुरक्षित

उनका कल सुरक्षित करें, और खुशियों को यँ ही खिलने दें.

प्रस्तुत है एलआईसी की जीवन रक्षा

यूआईएन: 512N368V01 | प्लान नं.: 894

नॉन-पार, नॉन-लिंग्ड, जीवन, व्यक्तिगत, शुद्ध जोखिम योजना

मुख्य विशेषताएँ:

- पॉलिसी अवधि के दौरान बीमित व्यक्ति की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु होने की स्थिति में परिवार को वित्तीय सहायता का प्रावधान
- ₹5 लाख की न्यूनतम बीमा राशि
- प्रीमियम भुगतान की विभिन्न अवधियों में से चुनने की सुविधा
- महिलाओं के लिए विशेष दरें
- आकर्षक उच्च बीमा राशि रिबेट का लाभ
- राइडर विकल्प उपलब्ध

ऑनलाइन भी उपलब्ध

व्यूआर कोड स्कैन करें और My LIC App डाउनलोड करें

मित्र की. licindia.in

कॉल सेंटर सर्विस (022) 6827 6827

हमारा कॉन्सल्ट नं. 8976862090

कॉल सेंटर सर्विस (022) 6827 6827

भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

हमें यहाँ फ़ॉलो करें: f X in LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

धोखेपट्टी वाले फ़ोन कॉल तथा धुले/धमक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बेनस की घोषणा या प्रीमियम के निवेश, राशियाँ लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या सम्पादित प्राहकों को ऐसे फ़ोन कॉलस मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के सम्पन्न से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

जनहित के मुद्दों पर चर्चा

केसीजी जिले में हरिभूमि आईएनएच का संवाद 5 को

हरिभूमि न्यूज

खैरागढ़

प्रदेश की भाजपा सरकार के ढाई साल पूरे होने के अवसर पर हरिभूमि-आईएनएच द्वारा जिला स्तर पर जिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में आगामी 5 सितंबर को प्रधान संवादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी विगत ढाई वर्ष के दौरान खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में किए गए विकास कार्यों एवं आने वाले समय में प्रगति की संभावनाओं के साथ ही जनहित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में सांसद

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

संतोष पांडेय

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पीए रहे केके चंद्रवंशी और पूर्व पटवारी कमलेश सिंह राजपूत के यहां मंगलवार की सुबह वाहनों में अचानक ईडी की टीम पहुंची। उनके साथ पैरामेडिकल फोर्स भी पहुंची। कहा जा रहा है कि सीजीपीएससी से जुड़े मनी लाँड्रिंग केस के सिलसिले में यहां पड़ताल की जा रही है। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय जांच एजेंसी की टीम दो वाहनों में सवार होकर

ईडी ने अपर कलेक्टर चेतन बोरघारिया से की पूछताछ

बलरामपुर। जिले में मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय की टीम के पहुंचने से प्रशासनिक नलियारों में हलचल तेज हो गई। जानकारी के अनुसार ईडी की टीम दो वाहनों से बलरामपुर पहुंची और सीधे सिकर्ट हाउस गई। यहां अपर कलेक्टर चेतन बोरघारिया को बुलाकर टीम द्वारा पूछताछ किए जाने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि सिकर्ट हाउस के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

संजय अग्रवाल बनेंगे राजस्थान हाईकोर्ट के सीजे

जस्टिस मोहपात्रा होंगे छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस

हरिभूमि न्यूज

बिलासपुर

कई कानूनी क्षेत्रों का अनुभव

जस्टिस कृष्ण राम मोहपात्रा को अभिभावक और आश्रित अधिनियम, हिंदू अल्पसंख्यक-संरक्षकता अधिनियम, हिंदू दत्तक ग्रहण, अरण्य-पोषण अधिनियम और किशोर व्याय (बालकों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम से जुड़े मामलों का भी अनुभव रहा है। उन्होंने ओडिशा सरकार के साथ-साथ ओडिशा लोक सेवा आयोग के लिए अतिरिक्त स्थायी वकील के रूप में भी काम किया है। इसके अलावा, वे अलग-अलग सरकारी और सार्वजनिक संस्थानों से जुड़े मामलों में अधिवक्ता के रूप में पैरवी कर चुके हैं।

जस्टिस कृष्ण राम मोहपात्रा

जस्टिस संजय राम अग्रवाल के अग्रवाल

जस्टिस अग्रवाल समेत 3 नए बनेंगे चीफ जस्टिस

सुप्रीम कोर्ट ने 3 हाईकोर्ट जजों को प्रमोशन देकर चीफ जस्टिस बनाने की भी सिफारिश की है। इसमें छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस संजय के अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की अनुशंसा की गई है। साथ ही गुजरात हाईकोर्ट के मध्यप्रदेश हाईकोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस डॉ. पुष्पेंद्र सिंह माटी को जम्मू-कश्मीर और तमिलनाडु हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की अनुशंसा की गई है।

जस्टिस मोहपात्रा होंगे छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस

हरिभूमि न्यूज

बिलासपुर

कई कानूनी क्षेत्रों का अनुभव

जस्टिस कृष्ण राम मोहपात्रा को अभिभावक और आश्रित अधिनियम, हिंदू अल्पसंख्यक-संरक्षकता अधिनियम, हिंदू दत्तक ग्रहण, अरण्य-पोषण अधिनियम और किशोर व्याय (बालकों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम से जुड़े मामलों का भी अनुभव रहा है। उन्होंने ओडिशा सरकार के साथ-साथ ओडिशा लोक सेवा आयोग के लिए अतिरिक्त स्थायी वकील के रूप में भी काम किया है। इसके अलावा, वे अलग-अलग सरकारी और सार्वजनिक संस्थानों से जुड़े मामलों में अधिवक्ता के रूप में पैरवी कर चुके हैं।

जस्टिस कृष्ण राम मोहपात्रा

जस्टिस संजय राम अग्रवाल के अग्रवाल

जस्टिस अग्रवाल समेत 3 नए बनेंगे चीफ जस्टिस

सुप्रीम कोर्ट ने 3 हाईकोर्ट जजों को प्रमोशन देकर चीफ जस्टिस बनाने की भी सिफारिश की है। इसमें छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस संजय के अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की अनुशंसा की गई है। साथ ही गुजरात हाईकोर्ट के मध्यप्रदेश हाईकोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस डॉ. पुष्पेंद्र सिंह माटी को जम्मू-कश्मीर और तमिलनाडु हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की अनुशंसा की गई है।

	संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से घबरेना का प्रयास करें।
मेप	
	खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।
वुप	
	शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।
मिथुन	
	क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।
कर्क	
	कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।
सिंह	
	कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से घन प्राप्त होगा। पत्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।
कन्या	
	लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।
तुला	
	संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेगा।
वृश्चिक	
	स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।
धनु	
	आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।
मकर	
	क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।
कुम्भ	
	किसी रुके घन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
मीन	

सूडूकु नवताल - 6345

			2						
		9		8		2	6	4	
1				3	6			9	
	8			2				1	
							8		6
	4		7	5					3
3	7	5		4		1			
	2				8				

☆☆☆☆

सरल

सूडूकु नवताल - 6344 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक को पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

वैसे तो 16 फीसदी तय हुआ है, लेकिन बचा 11 माह पांच फीसदी लेकर बचा 11 फीसदी शुल्क अगले माह वसूला जाएगा। ऐसे में अगले माह भी डबल झटका लगेगा। अभी कुछ माह तक डबल झटका ही लगने वाला है। बिजली में हर माह अर एफपीपीएसएस् शुल्क तय होने के कारण हर माह बिजली के दाम बदल जाते हैं। इस साल के पहले माह जनवरी में जो दिसंबर का बिल आया था।

चिंतन

बच्चों के हित में सुप्रीम फैसला

बच्चों के हित में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। इससे नीट-यूजी विचार में उलझे हजारों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी। 20 से 25 जुलाई के प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में सभी प्राथमिकी रद्द करने और इसी अवधि के प्रदर्शनों के संबंध में नई प्राथमिकी दर्ज न करने का आदेश यह बताता है कि कानून के साथ मानवीय संवेदनशीलता भी जरूरी है। प्रश्नपत्र लोक या परीक्षा में गड़बड़ी की आशंका से पहले ही विद्यार्थियों का भरोसा डगमगाता है, ऐसे में विरोध करने वाले युवाओं पर मुकदमों का बोझ डालना उनके भविष्य को और संकट में डाल सकता है। अब सरकार की असली जिम्मेदारी परीक्षा व्यवस्था में भरोसा बहाल करने की है। न्यायिक राहत तभी सार्थक होगी, जब नीट जैसी परीक्षाओं में पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। नीट कोई सामान्य परीक्षा नहीं है। इसके लिए विद्यार्थी वर्षों तक दिन-रात मेहनत करते हैं। ऐसे में प्रश्नपत्र लोक होने या परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी की खबर विद्यार्थी के लिए सिर्फ एक समाचार नहीं, बल्कि उसकी वर्षों की मेहनत पर सीधा आघात होती है। जब व्यवस्था पर भरोसा टूटता है तो आक्रोश स्वाभाविक है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध इसी आक्रोश को व्यक्त करने का संवैधानिक रास्ता है। हालांकि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 2,873 लोगों के खिलाफ नए मामले दर्ज करने की अनुमति देकर अदालत ने यह संदेश दिया है कि आंदोलन की आड़ में कानून तोड़ने वालों को संरक्षण नहीं दिया जा सकता। लोकतांत्रिक अधिकार अराजकता का लाइसेंस नहीं हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन और हिंसा, तोड़फोड़ अथवा गंभीर आपराधिक कृत्य के बीच फर्क करना जरूरी है। कानून का शासन तभी मजबूत होगा, जब अधिकार और जिम्मेदारी दोनों साथ चलेंगे। इस पूरे प्रकरण में सरकार और प्रशासन को भी आत्ममंथन करना चाहिए। जब मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और दिल्ली पुलिस के साथ महाराष्ट्र, असम, बिहार तथा पश्चिम बंगाल की आर से प्राथमिकी रद्द करने की मांग की गई, तो सवाल उठता है कि यह समाधान पहले क्यों प्रही खोजा गया? किसी विद्यार्थी के खिलाफ मुकदमा दर्ज होना उसके लिए वर्षों तक चलने वाला मानसिक दबाव बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का आत्महत्या करने वाले नीट अभ्यर्थियों के परिवारों के लिए देशव्यापी मुआवजा नीति बनाने का निर्देश इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू है। सरकार की यह जिम्मेदारी जरूर है कि ऐसी त्रासदियों को केवल आंकड़ों में बदलने के बजाय उनके पीछे छिपे दर्द को समझे। प्राथमिकी रद्द होना तत्काल राहत है, लेकिन नीट की विश्वसनीयता बहाल करना असली चुनौती है। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिसमें विद्यार्थी को न्याय के लिए आंदोलन का सहारा लेने की नौबत ही न आए। परीक्षा व्यवस्था जितनी पारदर्शी होगी, उतना ही विद्यार्थियों और अभिभावकों का भरोसा मजबूत होगा। इस फैसले के बाद 5 सितंबर का प्रस्तावित मात्र वापस लिया जाना भी सकारात्मक संकेत है। इसका अर्थ है कि टकराव के बीच भी संवाद का रास्ता खुला रह सकता है। असहमति लोकतंत्र का संकेत नहीं है, असहमति को सुनने से इनकार करना संकेत जरूर बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने विद्यार्थियों को मुकदमों के बोझ से राहत देकर एक जरूरी संदेश दिया है। युवा केवल परीक्षा देने वाले चेहरे नहीं, देश का भविष्य हैं। उनकी मेहनत पर सवाल उठे तो व्यवस्था को जवाब देना होगा। न्याय की सबसे बड़ी कसौटी यही है कि देश का हर विद्यार्थी यह भरोसा लेकर परीक्षा दे कि उसकी मेहनत सुरक्षित है और व्यवस्था उसके साथ खड़ी है।

विमर्श

प्रो आर .सी . कुहाड़



मेरी बोली : मेरा अभिमान

भारत की आजादी के अस्सी वर्ष पूरे होने को हैं। ये अस्सी वर्ष केवल समय की गणना नहीं, बल्कि हमारे स्वतंत्रता-संघर्ष, राष्ट्र-निर्माण और विकास-यात्रा के गर्हों पड़ाव हैं। इन वर्षों में हमने क्या खोया, क्या पाया और कहाँ से कहाँ पहुंचे, इसका निष्पक्ष मूल्यांकन ही हमारी आजादी की यात्रा को समझने में सहायक हो सकता है। साथ ही यह प्रश्न भी हमारे सामने है कि हमें कहां जाना है और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा भारत रचने में संकल्प लेना है। स्वतंत्रता है, हम अवसर हमें अपनी संस्कृति, परम्पराओं, मूल्यों और भाषायी विरासत का स्मरण कराते हुए राष्ट्र के भविष्य-निर्माण में अपना सर्वोत्तम योगदान देने की प्रेरणा देता है। आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है, यह प्रश्न आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कभी था। संविधान की प्रस्तावना में निहित “हम भारत के लोग” जैसे शब्द लोकतंत्र, समानता, सहभागिता और सामूहिक उत्तरदायित्व के अनेक अर्थ अपने भीतर समेटे हुए हैं। इसलिए प्रश्न केवल यह नहीं कि हम आजादी का उत्सव कैसे मनाएं, बल्कि यह भी है कि हम उसके वास्तविक उद्देश्यों को अपने जीवन और समाज में किस प्रकार साकार करें। जब मैं आम आदमी की बात करता हूँ, तो मेरा ध्यान सहज ही उसकी बोली-वाणी की ओर चला जाता है,उस बोली की ओर जिसे हम अपना अभिमान और दूसरे शब्दों में अपना स्वाभिमान कह सकते है और आज के इस विमर्श का विषय “मेरी बोली : मेरा अभिमान” मनुष्य और सभ्यता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। ‘मेरी बोली’ से अभिप्राय उन सभी भाषाओं और लिपियों से है जो सबसे पहले हमें बोलना सिखाती हैं। बोली के बिना हमारी पहचान अधूरी रह जाती है। बोली है, इसलिए हम अपनी परम्पराओं से जुड़े रहते हैं। बोली के माध्यम से ही हम अपनी परम्पराएं अगली पीढ़ियों तक पहुंचाते हैं। जिस प्रकार वृष्य अपनी जड़ों से पोषण पाकर हरा-भरा रहता है, उसी प्रकार मनुष्य और समाज अपनी भाषा और बोली से सांस्कृतिक ऊर्जा प्राप्त करते हैं। अपनी ही भाषा में शिक्षा अधिक सहज और प्रभावी होती है। जटिल विषयों को भी अपनी भाषा में सरलता से समझाया जा सकता है। भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, ज्ञान को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने का सशक्त साधन भी है। भारत विविधताओं का देश है। “कोस-कोस पर बदले पानी, चार कोस पर वाणी”, यह कहावत हमारी भाषायी विविधता की सुंदरता को अभिव्यक्त करती है। 1961 की जनगणना के अनुसार भारत में 1652 भाषाएं और बोलियां बोली जाती थीं। आज भी अनेक बोलियां अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। कुछ बोलियों में बोलने वालों की संख्या बहुत कम रह गई है। भाषा बहेते जल के समान है। जो बोली समय और समाज के साथ संवाद बनाए नहीं रख पाएगी, उसके सामने धीरे-धीरे विलुप्त होने का खतरा बना रहता है। इन बोलियों का मूल स्वरूप, लोक-साहित्य, लोक-स्मृति और सांस्कृतिक खजाना तभी सुरक्षित रह सकता है, जब हम सामूहिक प्रयास करें। बोलियों के साहित्य और मौखिक परम्पराओं को नए माध्यमों से सामने लाना आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय भाषाओं और मातृभाषाओं के महत्व को उचित स्थान दिया गया है। त्रिभाषा सूत्र का मूल उद्देश्य भाषायी विविधता को समझना और विभिन्न भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना है। बोली और भाषा में सुरक्षित विशाल साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना आवश्यक है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भाषा और बोली के संरक्षण, प्रयोग और विकास में भूमिका निभानी चाहिए। आज, जब हम स्वतंत्रता के अस्सीवें वर्ष की ओर बढ़ रहे हैं, “मेरी बोली : मेरा अभिमान” का विचार और अधिक प्रासंगिक हो गया है। वैश्वीकरण, इंटरनेट, सोशल मीडिया, डिजिटल शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने संचार की सीमाएं लगभग समाप्त कर दी हैं। यह परिवर्तन चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हमारी बोलियां डिजिटल दुनिया में दर्ज नहीं होंगी, यदि उनमें साहित्य, लोककथाएं, गीत, कहावतें और ज्ञान सुरक्षित नहीं किया जाएगा, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी सांस्कृतिक स्मृतियों के एक महत्वपूर्ण हिस्से से वंचित हो सकती हैं। अपनी बोली को बचाने का अर्थ केवल उसे बोलते रहना नहीं, बल्कि उसे लिखना, पढ़ना, शोध का विषय बनाना,संरक्षित करना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी है। अपनी बोली से प्रेम करना किसी दूसरी भाषा का विरोध नहीं है। भारत की शक्ति उसकी भाषायी विविधता में निहित है। अंग्रेजी, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करते हुए अपनी मातृबोली को भी सम्मान देना चाहिए। हम संकल्प लें कि अपनी बोली को केवल घर तक सीमित नहीं रखेंगे। उसे शिक्षा, साहित्य, शोध, तकनीक और डिजिटल संसार में भी सम्मानजनक स्थान दिलाएंगे। यही हमारी भाषायी विरासत के प्रति सच्चा सम्मान, हमारी स्वतंत्रता का सार्थक उत्सव और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी होगी।

(लेखक वरुणआर्षाआर्षाकरनरत्न केथरीन वे जेन्के अपने विचार हैं।)



मुद्दा

अवधेश कुमार



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉक्टर मोहन भागवत का न्यूयॉर्क के मैनहटन स्थित मेडिसन स्कवायर गार्डन कार्यक्रम की सफलता से अमेरिका से लेकर भारत तक के विरोधियों को बिना कोई प्रतिक्रिया दिए सटीक उत्तर मिल गया है। भारत में नेताओं ने कार्यक्रम के पूर्व अपने बयानों से इसके विरोध में माहौल बनाने की कोशिश की। दूसरी ओर अमेरिका में कुछ संगठनों ने जितना संभव हुआ, कार्यक्रम को ही रोकने की कोशिश की। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने खुलकर विरोध किया। ममदानी ने कहा कि एक ऐसे आंदोलन का उभार देखना बेहद परेशान करने वाला है, जो एक बहिष्कारवादी सोच पर आधारित है। यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम ने अमेरिकी सरकार से संघ के सदस्यों पर प्रतिबंध लगाने और भारत में कथित धार्मिक स्वतंत्रता उल्लंघनों को लेकर मोहन भागवत का वीजा रद्द करने तक पर विचार करने का आग्रह कर दिया। भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत आयोग की टिप्पणियों को खारिज करते हुए इसे पक्षपाती और विश्वसनीयता से रहित संस्था बताया था। वॉशिंगटन स्थित ईडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल ने ऐसा वैन निकाला जिसमें वीडियो स्क्रीन लगा था और जो मैनहैटन की सड़कों पर घूमकर कार्यक्रम के विरुद्ध प्रचार कर रहा था। हालांकि इसका परिणाम हुआ कि अमेरिकी मीडिया भी आलोचना की। ऐसी प्रतिक्रिया देने वाले और भी कई अमेरिकी प्रसिद्ध व्यक्तित्व थे। वस्तुतः इस कार्यक्रम का आयोजन अमेरिकन 'हिंदूज फॉर एंजिमेंट एंड डायलॉग' फोरम ने किया था। संगठन ने बयान जारी कर बताया कि यह कार्यक्रम 200 से अधिक हिंदू-अमेरिकी संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और इसका आधार वसुधैव कुटुम्बक है। विरोध अभियानों के विपरीत आयोजक को एक प्रवक्ता ने मीडिया के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि इसका मतलब है कि हमारे बीच रहते मतभेद भी हो सकते हैं, लेकिन फिर भी हम संवाद, सम्मान और अपनी साझा मानवता को चुन सकते हैं। यह एक बयान ही दोनों पक्षों के चरित्र में गुणात्मक अंतर को दर्शाने वाला था। ऐसा जरा कार्यक्रम की ओर और भी संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष है और इसके तहत देश और विदेश दोनों जगह कार्यक्रम हो रहे हैं। इसका विषय क्या था? यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन यानी 'एक विश्व - एक मानवता उत्सव'। आप सोचिए, आज विश्व के संदर्भ

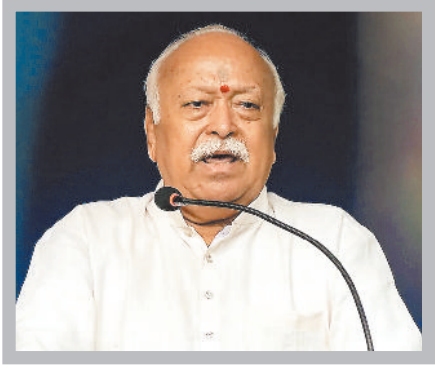
भागवत के अमेरिकी कार्यक्रम के फलितार्थ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉक्टर मोहन भागवत का न्यूयॉर्क के मैनहटन स्थित मेडिसन स्कवायर गार्डन कार्यक्रम की सफलता से अमेरिका से लेकर भारत तक के विरोधियों को बिना कोई प्रतिक्रिया दिए सटीक उत्तर मिल गया है। भारत में नेताओं ने कार्यक्रम के पूर्व अपने बयानों से इसके विरोध में माहौल बनाने की कोशिश की। दूसरी ओर अमेरिका में कुछ संगठनों ने जितना संभव हुआ, कार्यक्रम को ही रोकने की कोशिश की। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने खुलकर विरोध किया। ममदानी ने कहा कि एक ऐसे आंदोलन का उभार देखना बेहद परेशान करने वाला है, जो एक बहिष्कारवादी सोच पर आधारित है। यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम ने अमेरिकी सरकार से संघ के सदस्यों पर प्रतिबंध लगाने और भारत में कथित धार्मिक स्वतंत्रता उल्लंघनों को लेकर मोहन भागवत का वीजा रद्द करने तक पर विचार करने का आग्रह कर दिया।

भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत आयोग की टिप्पणियों को खारिज करते हुए इसे पक्षपाती और विश्वसनीयता से रहित संस्था बताया था। वॉशिंगटन स्थित ईडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल ने ऐसा वैन निकाला जिसमें वीडियो स्क्रीन लगा था और जो मैनहैटन की सड़कों पर घूमकर कार्यक्रम के विरुद्ध प्रचार कर रहा था। हालांकि इसका परिणाम हुआ कि अमेरिकी मीडिया भी आलोचना की। ऐसी प्रतिक्रिया देने वाले और भी कई अमेरिकी प्रसिद्ध व्यक्तित्व थे। वस्तुतः इस कार्यक्रम का आयोजन अमेरिकन 'हिंदूज फॉर एंजिमेंट एंड डायलॉग' फोरम ने किया था। संगठन ने बयान जारी कर बताया कि यह कार्यक्रम 200 से अधिक हिंदू-अमेरिकी संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और इसका आधार वसुधैव कुटुम्बक है। विरोध अभियानों के विपरीत आयोजक को एक प्रवक्ता ने मीडिया के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि इसका मतलब है कि हमारे बीच रहते मतभेद भी हो सकते हैं, लेकिन फिर भी हम संवाद, सम्मान और अपनी साझा मानवता को चुन सकते हैं। यह एक बयान ही दोनों पक्षों के चरित्र में गुणात्मक अंतर को दर्शाने वाला था। ऐसा जरा कार्यक्रम की ओर और भी संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष है और इसके तहत देश और विदेश दोनों जगह कार्यक्रम हो रहे हैं। इसका विषय क्या था? यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन यानी 'एक विश्व - एक मानवता उत्सव'। आप सोचिए, आज विश्व के संदर्भ

में संपूर्ण विश्व की विविधताओं के बीच एकता के उत्सव से बड़ा विश्व कल्याण की दृष्टि से प्रासंगिक कार्यक्रम क्या हो सकता था? संघ के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने अधिकृत बयान में स्पष्ट किया कि कार्यक्रम का आयोजन खुले संवाद की भावना से किया गया है।

सरसंघचालक अलग-अलग संस्कृतियों और धर्मों से जुड़े लोगों के सामने अपनी बात रखेंगे। यह कार्यक्रम खुले संवाद और एक-दूसरे के सम्मान की भावना से आयोजित किया गया है जो भारतीय' विचार को दर्शाता है। कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के साथ - साथ 30 देशों के, 16 विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि 180 से अधिक



आध्यात्मिक / धार्मिक क्षेत्र के प्रमुख लोग भी थे। वास्तव में भागवत ने अपने संबोधन में उसी भाव को सामने रखा जो कार्यक्रम का उद्देश्य बताया गया। यहां उनमें विस्तार से नहीं जा सकते किंतु कुछ पंक्तियों का उल्लेख आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र केवल भौगोलिक इकाइयों नहीं एक दायित्व का निर्वाह करते हैं। भारत का दायित्व है कि वह विविधता में एकता के इस सत्य का साक्षात्कार करे और समय-समय पर संसार को भी इस सत्य का साक्षात्कार कराए। वननेस क्या है, इसका उत्तर देते हुए भागवत ने कहा कि भौतिक सुख स्थायी सुख या समाधान नहीं हैं। सच है कि केवल भौतिक सुख और उपलब्धियों के कारण ही व्यक्ति, समाज , राष्ट्रों के बीच समस्याएं बढ़ी हैं। मैं आप में हूँ, और आप मेरे में हैं, हम सब एक दूसरे में समाये हैं, यही वननेस है। भारतीय होने के नाते हमें संपूर्ण विश्व के कल्याणार्थ इस विचार को अपने आचरण से फैलाना है।

आप सोचिए, इस तरह के संबोधन में किस पहलू का विरोध हो सकता है? अमेरिका की धरती पर उन्होंने यह भी कहा कि विश्व में दो प्रकार के लोग हैं। एक कहते हैं, 'जियो और जीने दो'। दूसरे कहते हैं कि 'मात्र उन्हीं को जीने का अधिकार है, जो हमारी बात मानते हैं'। हम उन्ही

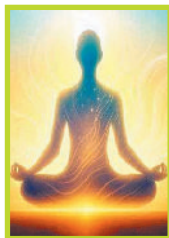
की रक्षा करेंगे, जो हमारे मत को मानेंगे।' हिंदुत्व या हिंदू विचार या भारतीय विचार किसी को भी तोखा बोलकर विरोधी बनाने या चोट पहुंचाने की बात नहीं करता बल्कि सकारात्मक बातों से उसकी सोच बदलने का रास्ता दिखाता है। यही उन्होंने अमेरिका की भूमि से संदेश दिया। सभी धर्म के प्रति सम्मान के साथ कोई यह सोचे या चाहे कि दूसरे पंथ के लोग उसके देश में वह हिंदू नहीं हो सकता। कोई भारत में पैदा हुआ या मूल रूप से भारतीय है वह अमेरिका में रहता है तो वह कैसा व्यवहार करें? उन्होंने कहा कि जो लोग भारत से बाहर दूसरे देशों में बसे हैं, वह देश उनकी कर्मभूमि हैं। अगर हम अमेरिका में हैं तो अमेरिका का ही हिस्सा हुए। हमें अपनी कर्मभूमि के प्रति पूरी तरह प्रामाणिक रहना चाहिए। किंतु क्योंकि आप भारतवंशी है, वह आपके पुरखों की जन्मभूमि हैं। इसलिए भारत के लिए कुछ करना संभव है तो अवश्य करें, किंतु आपकी जन्मभूमि आपसे अपेक्षा करती है कि जिन मूल्यों को लेकर आपका, आपके पुरखों का जीवन बना है, उन मूल्यों के साथ आप अपनी कर्मभूमि में कार्य करें। सच कहें तो संघ, हिंदुत्व, हिंदू और भारत के वास्तविक व्यापक दृष्टिकोण को रखकर भावगत में विरोधियों को निःशब्द किया। किंतु जिन्हें कुछ मानना ही नहीं है और जिनके अंदर रोग के स्तर पर संघ का विरोध है, वह न पहले माने हैं न आगे मानेंगे। वे जो कुछ बोलते हैं, प्रचारित करते हैं, लिखते हैं, वह सब झूठ पर आधारित होता है। सीमाओं के बाहर कोई भी व्यक्ति भले किसी संगठन और विचार का हो अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहा होता है। इस रूप में भागवत का उद्बोधन संघ संगठन की सीमाओं तक सीमित न होकर भारतीय विचार और भारत के पक्ष को सही संदर्भ में रखने वाला माना जाएगा, तो हम इसे ही संघ का चरित्र और ध्येय क्यों नहीं माने।

वस्तुतः कोई माने या ना माने, संघ के शीर्ष पदाधिकारी हमेशा इसी विचार को आगे बढ़ने का वक्तव्य देते और आचरण करते दिखते हैं। इसलिए आप देखेंगे कि इतने विरोध और निंद के बावजूद सामान्यतः वे इनका उत्तर देने या खंडन करने का व्यवहार नहीं अपनाते। भारत में संघ का अभी तक यही चरित्र रहा है और विश्व के कार्यक्रमों के संदर्भ में भी किसी विरोध के प्रत्युत्तर की कोई कोशिश तक नहीं हुई। यह ऐसा व्यवहार है जिससे देश और विदेश के विरोधियों को सीखना चाहिए। इसी से संघ का समर्थन लगातार बढ़ता है। अमेरिका में उस तरह का कार्यक्रम स्वयं उन संगठनों के वश की बात नहीं जो विरोध का झंडा उठाते हुए थे।

(लेखक वरिष्ठ रसकार है, वे जेन्के अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

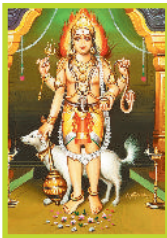
आध्यात्मिक चेतना आखिर क्या है ?



संकलित

दर्शन

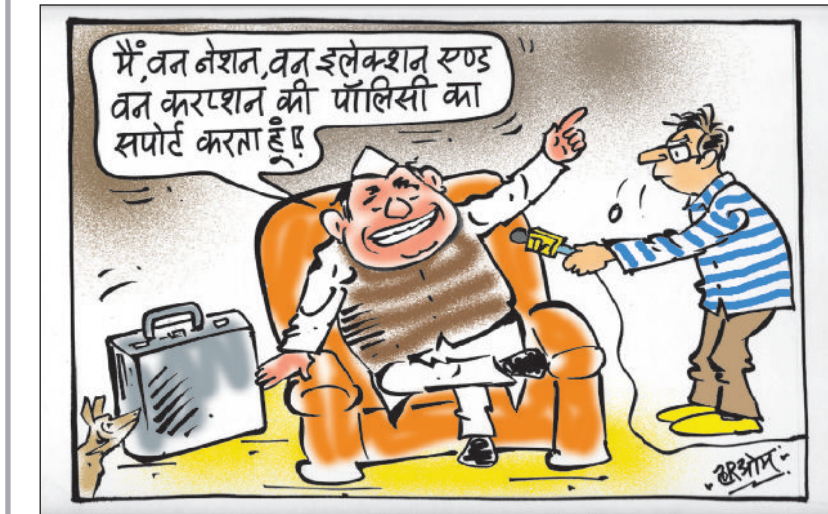
आज मनुष्य अत्यधिक भौतिकवादी तथा लालची हो गया है। बलिदान, त्याग, संतोष, प्रज्ञा, चिंतन-मनन, मुक्ति और मोक्ष जैसे शब्द हमारे शब्दकोश से धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, जो कि आध्यात्मिक मूल्यों के द्योतक रहे हैं। व्यापक उपभोगवादी संस्कृति तथा भोग-विलास से पोषित भौतिकवाद की नई उभरी संस्कृति ने आध्यात्मिक चेतना पर पर्दा डाल दिया है। धन-अर्जन, सत्ता तथा प्रसिद्धि की लालसा और सुखवादी जीवन-प्रणाली आज जीवन का परम लक्ष्य है। सभी धर्मों ने लालच को महापाप कहा है, परंतु आज लालच ही मुख्य प्रेरणा-द्वार है। प्रज्ञा-मुनि आध्यात्मिक मूल्यों को सर्वोच्च महत्व देते हैं। हिंदू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों का अनुक्रम है-धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष। अर्थ तथा काम सांसारिक मूल्य हैं, जबकि धर्म तथा मोक्ष आध्यात्मिक मूल्य हैं, परंतु धर्म का स्थान सर्वदा प्रथम है। यह अर्थ तथा काम दोनों का प्रेरक तथा नियंत्रक है। जीवन के हिंदू दृष्टिकोण के अनुसार, सात्विक समाधिक ऊंचा आदर्श है। इसके बाद राजसी का स्थान है, जो एक आदर्श नहीं, परंतु सामाजिक आवश्यकता है। तामसिक सबसे अधिक अपमानजनक वृत्ति है, जिससे सभी बुद्धिमान दूर रहते हैं। मनु की पद्धति में सतत्व को न्याय की संज्ञा दी गई है, राजस को आकांक्षा की तथा तमस को इच्छाओं की। महापुरुषों ने चिंतन-मनन को मनुष्य के परम आनंद के रूप में देखा। आंतरिक शांति तथा आध्यात्मिक ज्ञान के लिए समर्पित जीवन ही मानव गतिविधियों का सर्वोत्तम रूप है।



संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन



करंट अफेयर

ट्रंप ने ‘लेक ऑंटारियो’ का नाम बदल ‘लेक अमेरिका’ करने कहा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल से अपने मानचित्र ऐप पर ‘लेक ऑंटारियो’ का नाम बदलकर ‘लेक अमेरिका’ करने को कहा है। अमेरिका के गृह मंत्री ने सोमवार को यह जानकारी दी। ट्रंप ने कुछ दिन पहले ही इस झील से संबंधित एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। कनाडा के साथ बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच यह झील चर्चा में है। गृह मंत्री डग बर्गम ने फॉक्स के कार्यक्रम ‘मॉनिंग्स विद मारिया’ में कहा कि ट्रंप ने ‘एप्पल से सीधे संपर्क किया है।’ उन्होंने भरोसा जताया कि एप्पल के मंच पर जल्द ही ‘लेक अमेरिका’ नाम दिखाई दे सकता है। एप्पल ने इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। लंबे समय से लेक ऑंटारियो के नाम से जानी जाने वाली यह झील अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य और कनाडा के ऑंटारियो प्रांत के बीच स्थित है। ‘गुगल मैप्स’ ने अमेरिका में अपने उपयोगकर्ताओं के लिए बीते सप्ताहांत ही इस झील का नया नाम दिखाना शुरू कर दिया था। कंपनी ने इसके लिए ट्रंप के हालिया आदेश और अमेरिकी भौगोलिक नाम सूचना प्रणाली (जीएनआईएस) द्वारा निर्धारित नामों का इस्तेमाल करने की अपनी पहले से जारी व्यवस्था का हवाला दिया।



यह भाषा को फिर से उसका स्थान दिलाने और उसके पुनर्जीवनी की प्रक्रिया को दर्शाता है। मेरा मानना ​​है कि चित्र वाली पुस्तकें भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। ‘यूथ लाइब्रेरी’ में अपने अध्ययन के दौरान मैंने चित्र वाली जिन पुस्तकों का विश्लेषण किया, उनमें एक ही पुस्तक में 11 तक भाषाएं शामिल थीं। ये पुस्तकें दक्षिण अफ्रीका, पोलैंड और नौवें समेत कई देशों की थीं।

आज की पाती

कौशल विकास का सपना कैसे होगा पूरा?

केंद्र सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी स्वरोजगार के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए बहुत सी योजनाओं पर काम कर रही है। सरकार पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास के लिए भी एक नई योजना इंटरनशिप को लेकर आई है। इसके लिए सरकार ने कुछ बड़ी कंपनियों को इसके दायरे में लाने का भी प्रयास किया है। इन कंपनियों में विद्यार्थियों को अपने कैरियर को संचारने की राह मिलेगी। इसके लिए सरकार अपनी तरफ से खर्च भी करेगी, अर्थात जो विद्यार्थी इस योजना को अपनाते हैं, उनकी आर्थिक मदद भी करेगी और विद्यार्थी कंपनी के काम को सीखेंगे। ऐसा करके वे या तो अपना कोई बिजनेस कर सकेंगे या कंपनी में नौकरी आसानी से पा सकेंगे। लेकिन सरकार की यह योजना तभी कामयाब होगी, जब कंपनियां सरकार की इस योजना को सही तरीके से अमल में लाएंगी। - *सांकेत अग्रवाल, धमतरी*

ऑफ बीट

बच्चों को चित्र वाली पुस्तकें भाषा सीखने में मदद करती है

शोध से यह बात अखी तरह सामने आई है कि बच्चों की चित्र वाली पुस्तकें भाषा सीखने में मदद करती हैं। म्यूनिख स्थित ‘इंटरनेशनल यूथ लाइब्रेरी’ में एक शोधवृत्ति के दौरान मुझे यह अध्ययन करने का अवसर मिला कि चित्र वाली बहुभाषी पुस्तकों में अलग-अलग भाषाओं को किस तरह प्रस्तुत किया जाता है और उनका इस्तेमाल किसी समाज में उन भाषाओं की बदलती स्थिति को किस तरह प्रतिबिंबित कर सकता है। न्यूजीलैंड के संदर्भ में यह खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि 1970 के दशक से बच्चों की चित्र वाली पुस्तकों में ‘ते रेओ माओरी’ (माओरी लोगों की पारंपरिक और आधिनात्मिक भाषा) के इस्तेमाल में लगातार वृद्धि हुई है।

यह भाषा को फिर से उसका स्थान दिलाने और उसके पुनर्जीवनी की प्रक्रिया को दर्शाता है। मेरा मानना ​​है कि चित्र वाली पुस्तकें भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। ‘यूथ लाइब्रेरी’ में अपने अध्ययन के दौरान मैंने चित्र वाली जिन पुस्तकों का विश्लेषण किया, उनमें एक ही पुस्तक में 11 तक भाषाएं शामिल थीं। ये पुस्तकें दक्षिण अफ्रीका, पोलैंड और नौवें समेत कई देशों की थीं।

ब्रह्माजी को दंड देने के लिए प्रकट हुए थे कालभैरव

शिवजी के 19 अवतारों में से एक है कालभैरव। भैरव अवतार से जुड़ी कई अलग-अलग मान्यताएं हैं। कुछ मान्यताओं में ब्रह्माजी को दंड देने के लिए शिवजी के क्रोध से कालभैरव प्रकट हुए थे। कालभैरव की उत्पत्ति से जुड़ी सृष्टि की शुरुआत के समय की बहुत प्रचलित कथा है। एक दिन ब्रह्मा जी और विष्णु जी खुद को श्रेष्ठ बताने के चक्कर में विवाद करने लगे। विवाद इतना बढ़ गया कि युद्ध की स्थिति बन गई। उस समय शिवलिंग प्रकट हुआ और शिव जी ने इन दोनों का विवाद शांत किया। उसी समय वहां एक विशाल पुरुष का आकृति प्रकट हुई। ये आकृति शिवजी का ही एक रूप थी। शिव जी ने उससे कहा कि तुम काल के समान हो और भीषण हो। इसी वजह से तुम्हारा नाम कालभैरव होगा। पंचमुखी ब्रह्मा जी बार-बार खुद को श्रेष्ठ बताने की कोशिश कर रहे थे। उस समय ब्रह्मा जी को दंड देने के लिए कालभैरव ने ब्रह्मजी का एक सिर काट दिया था। इस घटना के बाद से ब्रह्मा जी चतुर्मुखी हो गए। शिव जी ने कालभैरव को काशी का नगरपाल बना दिया। कालभैरव को पत्नी भैरवी देवी पार्वती की अवतार हैं। कालभैरव की पूजा में शराब (मदिरा), तामसिक खाना खासतौर पर चढ़ाया जाता है। दरअसल, कालभैरव हमारी बुराइयों को खत्म करने वाले देवता हैं। इनकी पूजा करते समय भक्त नशे की चीजें चढ़ाकर अपनी बुराइयों छोड़ने का संकल्प लेता है। जो लोग इस संकल्प को निभाते हैं, उन्हें भैरव की विशेष कृपा मिलती है।



अमाविष को बधाई

पंजाब यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन चुनाव में एबीवीपी की शानदार जीत पर काउंसिल के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक सौ योगनाओं पर काम कर रही है। सरकार पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास के लिए भी एक नई योजना इंटरनशिप को लेकर आई है। इसके लिए सरकार ने कुछ बड़ी कंपनियों को इसके दायरे में लाने का भी प्रयास किया है। इन कंपनियों में विद्यार्थियों को अपने कैरियर को संचारने की राह मिलेगी। इसके लिए सरकार अपनी तरफ से खर्च भी करेगी, अर्थात जो विद्यार्थी इस योजना को अपनाते हैं, उनकी आर्थिक मदद भी करेगी और विद्यार्थी कंपनी के काम को सीखेंगे। ऐसा करके वे या तो अपना कोई बिजनेस कर सकेंगे या कंपनी में नौकरी आसानी से पा सकेंगे। लेकिन सरकार की यह योजना तभी कामयाब होगी, जब कंपनियां सरकार की इस योजना को सही तरीके से अमल में लाएंगी। - *सांकेत अग्रवाल, धमतरी*



जीडीपी ग्रोथ

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8% जीडीपी ग्रोथ देते की आर्थिक मजबूती, मुश्किलों से उबरने की क्षमता और 140 करोड़ भारतीयों के अदृष्ट जज्बे का जबरदस्त सबूत है। - जगत प्रकाश नड्ड, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री



गैंगरेप की घटना शर्मनाक

नोएडा से दिल्ली जा रही बस में मौजूदगी की एक छात्रा के साथ हुए गैंगरेप की घटना बेहद गंवाह और शर्मनाक है। महिलाओं की सुरक्षा के दावों के बीच, ऐसी घटनाएं बीजेपी सरकार की विफलता को उजागर करती है। इस मुश्किल घड़ी में हम पीड़ित और उसके परिवार के साथ खड़े हैं। - डिपल यादव, सांसद, सपा



वोटों की चोरी

भाजपा द्वारा वोटों की चोरी करके भारतीय लोकतंत्र को खोखला करने की साजिश अब सको समने आ रही है। जहां भाजपा को फायदा होता है, वहां मतदाता होठे जाते हैं; जहां फायदा नहीं होता, वहां वोटों को बांटकर "वोटों की चोरी" की जाती है। - मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस



हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपुर, बिलासपुर
फ़ोन : 401050, 271016,फ़ैक्स- 271018
ई-मेल : haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

4 हजार अब भी लापता, मरने वालों का आंकड़ा भी हजार के ऊपर

एजेसी ►► काठमांडू

नेपाल में आठ जिलों से और शव मिलने के बाद भयंकर बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर मंगलवार को 1,003 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

■ मानसरोवर के रुट-2 पर धारचूला के लिए भी जारी की गई चेतावनी

राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरएम्ए) ने बताया कि लगभग 4,000 लोग अब भी लापता हैं, जबकि करीब 12,000 लोगों को बचाया गया है। गत 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा के पास हिमस्खलन की वजह से अचानक बाढ़ आ गई, जिससे उत्तरी और मध्य नेपाल के कस्बों तथा गांवों



में भारी तबाही हुई। हिमालयी सीमावर्ती इलाके से दक्षिण की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी के ज़रिए बाढ़ का पानी तेजी से नीचे की ओर आया, जिससे घर, गाड़ियां, सड़कें और पुल बह गए तथा पनबिजली परियोजनाओं को भी नुकसान पहुंचा। एनडीआरएम्ए के अनुसार, चितवन जिले में सबसे अधिक 321 शव बरामद किए गए। इसके बाद नवलपरासी ईस्ट में 216, नवलपरासी वेस्ट में 170, नुवाकोट में 95, गोरखा में 65, धादिङ में 57, रसुवा में 41 और तनहुं में 38 शव बरामद किए गए।

मानसरोवर रुट-2 पर धारचूला के लिए भी चेतावनी

नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम तथा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरएम्ए) ने मंगलवार को देश के पूर्वी, मध्य और पश्चिमी हिस्सों में बाढ़ के जोखिम को लेकर नया अलर्ट जारी किया है। प्राधिकरण ने नदियों और छोटी नदियों-नालों के किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और जरूरी सावधानियां बरतने की अपील की है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी एक सूचना के अनुसार, नुवाकोट और रसुवा जिलों में अचानक बाढ़ आने की काफी अधिक आशंका है। इन इलाकों में छोटी नदियों और जलधाराओं का जलप्रवाह बढ़ने का अनुमान है।



मानसरोवर रुट में भी सतर्कता

पश्चिमी नेपाल में भी कई जिले अलर्ट के दायरे में हैं। इनमें गोरखा, लमजुंग, डोल्पा, रुकुम पूर्व, रुकुम पश्चिम, जाजरकोट, धारचूला, बैतडी, डडेलधुरा, डोटी, कैलाली और कंचनपुर शामिल हैं। इन क्षेत्रों में भी नदियों का जलस्तर बढ़ने की संभावना है। पश्चिमी नेपाल के कुछ जिले पहले से ही भूस्खलन और बाढ़ के प्रति संवेदनशील माने जाते हैं। इसलिए यहां के निवासियों को नदी किनारे न रहने और ऊंचे स्थानों पर जाने की तैयारी रखने की सलाह दी गई है।

इधर, भारत के 17 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

सितंबर के महीने में मानसून की अच्छी बारिश होने के आसार हैं। क्योंकि गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी तटीय ओडिशा और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने लो-प्रेशर एरिया बन रहा है। वहीं पू्वोत्तर असम और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। इसके असर से आज एक सितंबर से 5 सितंबर तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

अगले 5 दिन कहां और कैसा रहेगा मौसम ?
आईएमडी के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 2 सितंबर को और 6 सितंबर को हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 6 सितंबर तक बारिश हो सकती है। पश्चिमी राजस्थान में 2 से 6 सितंबर के बीच बारिश हो सकती है।

सितंबर में छत्तीसगढ़ के लिए यह है अनुमान
आईएमडी के अनुसार, सितंबर के महीने में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत देश के ज्यादातर राज्यों में सितंबर महीने में बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान है। हालांकि पू्वोत्तर भारत में सितंबर में बारिश अच्छी हो सकती है, लेकिन बाकी देश सूखा रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में पाकिस्तान पर साधा निशाना

‘आतंकवाद का इस्तेमाल सरकार की नीति के तौर पर करने वाले देशों का मुकाबला करे एससीओ’

►► प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) से उन देशों का मुकाबला करने का आवाह किया जो आतंकवाद का इस्तेमाल सरकार की नीति के तौर पर करते हैं। उन्होंने आतंकवाद के वित्त पोषण और आतंकियों की भर्ती के खिलाफ सामूहिक लड़ाई में ‘दोहरे मापदंड’ को खारिज करने की भी अपील की। उनका इशारा सीधे तौर पर पाकिस्तान की ओर था।

एजेसी ►► ब्रिटेक

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और कई अन्य वैश्विक नेताओं की मौजूदगी में, मोदी ने एससीओ के सालाना शिखर सम्मेलन में कहा कि इस समूह को आतंकवाद के वित्तपोषण, आतंकियों की भर्ती, कट्टरपंथ और आतंकियों के पनाहगहों के ‘पूरे तंत्र को खत्म करने’ के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए। पश्चिम एशिया संकट पर चिंता जाहिर करते हुए मोदी ने कहा कि भारत ने हमेशा यह कहा है कि सभी तनावों और संघर्षों को युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि बातचीत और कूटनीति के ज़रिए सुलझाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने चीन के ‘बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव’ (बीआरआई) का जिक्र करते हुए कहा कि कनेक्टिविटी परियोजनाओं को सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह एससीओ चार्टर की मूल भावना है। भारत बीआरआई का विरोध करता रहा है क्योंकि इसका कुछ हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीआके) से होकर गुजरता है।

खास बातें

- आतंकवाद को बताया पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती
- चीन के ‘बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव’ का भी किया जिक्र



ओछापन : पाकिस्तान ने एससीओ समिट की तस्वीर से मोदी को हटाय़ा

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की गई एक गुप फोटो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, एससीओ समिट के दौरान ली गई गुप फोटो को एडिट करके प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर हटा दी गई है। हालांकि विवाद के 4 घंटे बाद पाकिस्तानी पीएम शहबाज ने एक्स पर एससीओ की फोटो शेयर की है। इसमें पीएम मोदी भी नजर आ रहे हैं। दरअसल, यह तस्वीर किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में ली गई थी। इसमें सदस्य देशों के नेता एक मंच पर खड़े नजर आ रहे हैं। मूल तस्वीर में मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ समेत 12 नेता दिखाई दे रहे हैं।



वहीं एडिटेड तस्वीर में सिर्फ 6 नेता दिख रहे हैं। मोदी, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पज्ज्जशीरानी समेत 6 नेताओं को हटा दिया गया है। भारतीय

प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी एससीओ समिट की गुप फोटो सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसमें शहबाज शरीफ नजर आ रहे हैं। भारतीय

‘हमें एक स्वर में बात करनी होगी’

हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी के माषण का मुख्य विषय आतंकवाद से निपटने के लिए एससीओ से एकजुट होकर काम करने का उनका आह्वान था। उनकी बातों को मुख्य रूप से पाकिस्तान द्वारा अलग-अलग आतंकवादी समूहों को दिए जा रहे समर्थन के संदर्भ में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ‘आतंकवाद पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हम सिर्फ ‘कारवाई-प्रतिक्रिया’ वाले नजरिए तक सीमित नहीं रह सकते।’ मोदी ने कहा, ‘हमें आतंकवाद के वित्त पोषण, आतंकियों की भर्ती, कट्टरपंथ के प्रसार और आतंकियों के पनाहगहों के पूरे तंत्र को खत्म करना होगा। हमें एक स्वर में बात करनी होगी और यह स्पष्ट करना होगा कि इस गंभीर मुद्दे पर दोहरे मापदंडों की कोई जगह नहीं हो सकती।’ प्रधानमंत्री ने कहा, ‘हमें उन देशों को कड़ा संदेश देना चाहिए जो आतंकवाद का इस्तेमाल अपनी नीति के तौर पर करते हैं तथा आतंकवादियों को पनाह और समर्थन देते हैं।’

गरीब-दलित, अल्पसंख्यकों की बात करना दिमागी नक्सल नहीं : पित्रोदा

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने पीएम मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और केंद्र सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री के ‘दिमागी नक्सल’ वाले बयान पर कहा कि गरीबों, दलितों और अल्पसंख्यकों के पक्ष में बोलना नक्सलवाद या कम्युनिज्म नहीं है। 15 अगस्त के भाषण में मोदी ने कहा था कि देश से नक्सलवाद खत्म हो गया, लेकिन दिमागी नक्सल अभी भी मौजूद है। पित्रोदा ने कहा कि इंसानियत को हर चीज से ऊपर रखना चाहिए और सभी लोग एक ही जगह से आए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने झटका देते हुए 17 सितंबर तक के लिए टाली सुनवाई

ओबीसी क्रीमी लेयर, नहीं मिली सरकार को राहत

एजेसी ►► नई दिल्ली

ओबीसी क्रीमी लेयर मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसमें केंद्र सरकार ने 11 मार्च को दिए गए आदेश में तत्काल राहत की मांग की। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल कोई भी राहत देने से इनकार करते हुए सुनवाई को 17 सितंबर तक के लिए टाल दिया है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। दरअसल, केंद्र सरकार 11 मार्च को दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश में बदलाव और साथ ही क्रीमी लेयर की परिभाषा में भी बदलाव की मांग कर रही है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी। सरकार ने बताया था फैसले का

सॉलिसटर जनरल ने यह कहा था पहले

इससे पहले 26 अगस्त को हुई सुनवाई में सॉलिसटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि केंद्र इस फैसले की समीक्षा या संशोधन नहीं चाहता, बल्कि अदालत को पिछली तारीख से लागू करने में आने वाली जमीनी स्तर की कठिनाइयों से अवगत कराना चाहता है। उन्होंने कहा था कि इसके लिए ओबीसी उम्मीदवारों के पुराने बैचों की श्रेणी को नॉन-क्रीमी लेयर में बदलना होगा और सिविल सेवाओं में कैडर, पद और सेवा में बदलाव करना जरूरी होगा।

दूरगामी प्रभाव : केंद्र सरकार का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के 11 मार्च के फैसले को उचित नीतिगत हस्तक्षेप के बिना लागू किया जाता है, तो इसका केंद्र सरकार के साथ-साथ 18 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों द्वारा की जाने वाली सरकारी भर्तियों और उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।

यह है मामला

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च 2026 को दिए अपने फैसले में साफ किया था कि ओबीसी में क्रीमी लेयर तय करने के लिए केवल कला-पिता की वेतन आय को एकमात्र आधार नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने कहा था कि पीएसयू, बैंक या निजी क्षेत्र में काम करने वाले माता-पिता के वेतन को आधार मानकर छात्रों को केवल इंग्लिए आरक्षण के दायरे से बाहर नहीं किया जा सकता, क्योंकि उनकी जैविकी तय सीमा से अधिक है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने माना था कि इस तरह का भेद करना संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 के तहत समानता के सिद्धांत के खिलाफ है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग, कांकेर मण्डल, कांकेर
Email - sepwdkanker.2010@rediffmail.com/
se.kanker@nic.in, Fax No. 07868-224040

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना					
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत टेकेदारों से निम्नलिखित सड़क कार्य हेतु दिनांक 21.09.2026 समय 17:30 बजे तक ऑनलाइन (Online) निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं:-					
क्र. सं.	एन.आई.टी. नंबर	टेंडर नंबर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	
1	98	198461	लोक निर्माण विभाग नरहपुर - अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेव मरम्मत कार्य।	127.12 लाख	
2	99	198462	लोक निर्माण विभाग चारामा - अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेव मरम्मत कार्य।	42.37 लाख	
3	100	198463	लोक निर्माण विभाग कांकेर - अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेव मरम्मत कार्य।	84.74 लाख	
4	101	198464	लोक निर्माण विभाग भागुनापुर - अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेव मरम्मत कार्य।	105.86 लाख	
5	102	198465	लोक निर्माण विभाग पखानूर - अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेव मरम्मत कार्य।	148.31 लाख	
6	103	198466	लोक निर्माण विभाग अंतराढ़ अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेव मरम्मत कार्य।	54.23 लाख	
7	104	198467	लोक निर्माण विभाग कोण्डागांव उपसंभाग क्र. 01 अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेव मरम्मत कार्य (भाग-01)।	66.99 लाख	
8	105	198468	लोक निर्माण विभाग कोण्डागांव उपसंभाग क्र. 01 अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेव मरम्मत कार्य (भाग-02)।	69.88 लाख	
9	106	198469	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग केराकाल अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेव मरम्मत कार्य।	59.49 लाख	
10	107	198470	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग करसागांव अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेव मरम्मत कार्य। (भाग-01)।	52.80 लाख	
11	108	198471	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग करसागांव अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेव मरम्मत कार्य (भाग-02)।	52.07 लाख	
12	109	198472	लोक निर्माण विभाग नारायणपुर संभाग अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेव मरम्मत कार्य।	42.37 लाख	

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, घरौहर राशि, विस्तृत निविदा विडियो, से निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल एवं विभागीय वेबसाइट <https://eproc.cgstate.gov.in> से डाउनलोड की व देखी जा सकती है।
नोट:- CONTRACTOR SUBMIT THE CERTIFICATE REGARDING MACHINERIES & PLANTS AS PER ANNEXURE -G-7(d)
(निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा एवं निविदाकारों द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारों का मोबाइल नं. एवं ई-मेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रूप से करें।) डाउनलोड करने की अंतिम तिथि - 21.09.2026 है।
नोट:- प्रथम आमंत्रण

अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग, कांकेर मण्डल कांकेर
जी. 262703052/5

कार्यालय प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बड़ेराजपुर जिला-कोण्डागांव (छ.ग.)
कांकेरिपारा, जिला-कोण्डागांव (छ.ग.), E-Mail:- itbderajpur.principal.com Ph-7828662526

क्रमांक औप्रस/बड़ेरा/स्थाप/मैह.प्रव.भर्ती/2026/126

विज्ञापन/भर्ती सूचना

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था फरसागांव, जिला कोण्डागांव छ.ग. हेतु प्रशिक्षण अधिकारियों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु मेहमान प्रवक्ता आमंत्रित किये जाते हैं। जिसकी अंतिम तिथि 12.09.2026 है।

क्र.	जिला नोडल संस्था का नाम	संस्था का नाम	व्यवसाय/विषय	रिक्त पद	शैक्षणिक तकनीकी अर्हताएं
1	शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, कोण्डागांव	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था फरसागांव	कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कोपा)	01	1. मान्यता प्राप्त बोर्ड से हाईस्कूल अथवा पुरानी पद्धति से ग्यारहवीं अथवा समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण। 2. अभ्यर्थी संबंधित टेड में राष्ट्रीय व्यवसाय प्रशिक्षण परिषद से राष्ट्रीय व्यवसाय प्रमाणपत्र/राष्ट्रीय शिक्षता प्रशिक्षण परिषद से राष्ट्रीय शिक्षता प्रमाण पत्र/राज्य व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद से राज्य व्यवसाय प्रमाण पत्र एवं राष्ट्रीय शिक्षता प्रशिक्षण परिषद से राष्ट्रीय शिक्षता प्रमाणपत्र/एआईसीटीई अथवा यूजीसी से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या बोर्ड से कम्प्यूटर साईंस इंजीनियरिंग या समतुल्य संकाय में उपाधि/पत्रोपाधि उत्तीर्ण अथवा डीआईई (डीआईसीसी) से "ए" स्तर का प्रमाण-पत्र या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / बोर्ड से बीए/बी (बी।आईसीसी)। 3. अभ्यर्थी डी.जी.टी. के उच्च प्रशिक्षण संस्थानों (ए.टी.आई./सी.टी.आई./एन.वी.टी.आई. आर.वी.टी.आई.आई.टी.) से उत्तीर्ण।

आवेदन करने हेतु पात्र अभ्यर्थी संस्था के सूचना पटल एवं छ.ग. जनसंपर्क विभाग के वेबसाइट www.jansampark.cg.gov.in पर विस्तृत विवरण देख सकते हैं।

प्राचार्य, शा.औद्य. प्रशिक्ष. संस्था बड़ेराजपुर जिला-कोण्डागांव छ.ग.

DIRECTORATE OF TECHNICAL EDUCATION, CHHATTISGARH संचालनालय तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़
विभाग:सूचना भवन, ब्लॉक-3, तृतीय/चतुर्थ बंगला, इंदुवर्मा भवन, नया रायपुर, अटल नगर, जिला-रायपुर। फोन: 0771-2221376, फोन: <https://dte.cg.gov.in/#/>, Email-egdttecounselling@gmail.com

सत्र 2026-27 में तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन काउंसिलिंग की सूचना
छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ऑनलाइन काउंसिलिंग द्वारा होगा। इस हेतु अभ्यर्थी का वेब साइट <https://dte.cg.gov.in/> <https://egdtte.admissions.nic.in/> पर उपयुक्त कोशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग, की अधिसूचना क्रमांक एके-9-5/2023 तक. रि. शि./42 अटल नगर, दिनांक 11 मई 2013 में प्रकाशित निम्न प्रवेश नियम के अनुसार अर्हता होना अनिवार्य है।
1. छत्तीसगढ़ की संस्थाओं के वैचर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टैक.) पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश नियम-2023, 2. छत्तीसगढ़ की संस्थाओं के मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टैक.) पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश नियम-2023, 3. छत्तीसगढ़ की संस्थाओं के मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.) पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश नियम-2023, 4. छत्तीसगढ़ की संस्थाओं के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.) पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश नियम-2023, 5. छत्तीसगढ़ की पॉलिटेक्निक संस्थाओं के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश नियम-2023
ऑनलाइन काउंसिलिंग की प्रवेश प्रक्रिया का अवलोकन भी उपरोक्त वेब साइट के माध्यम से किया जा सकता है, तत्संबंधी विधियां निम्नानुसार हैं।

संस्था स्तर हेतु विधियां		संस्था स्तर हेतु विधियां	
काउंसिलिंग गतिविधि	पंजीयन (Registration)	मैरिट जारी	दावा आपति (Allotment/Result)
1. Diploma Engg & Arch. 2. CDDM/D. 3. MCOM/HMCT. 4. Diploma Engg. (Lateral Entry)	03rd September 2026 10:00AM से 06th September 2026 11:59PM तक	07th September 2026 05:00 PM बजे	1- मैरिट सूची के अनुसार संस्था स्तर पर आवेदन हेतु आवसर् लेने के लिए अभ्यर्थी को संबंधित संस्था में 08th September 2026 प्रातः 10:00AM उपस्थित होना अनिवार्य होगा। 2- संस्था द्वारा आवेदित सीटों पर प्रवेश लेने की कार्यवाही 08th September 2026 01:00PM से 09th September 2026 01:00PM तक की जाएगी। 3- यदि संस्था में सीटें रिक्त रहती हैं तो 09th September 2026 अपराह्न 01:30PM बजे से 09th September 2026 अपराह्न 05:30PM बजे तक निम्नलिखित सभी अभ्यर्थियों को मैरिट सूची के अनुसार अवसर प्रदान किया जाएगा जो दिनांक 08th September 2026 को (क) उपस्थित नहीं हो गए (अनुपस्थित)। (ख) उपस्थित हुए लेकिन उन्हें आवेदन नहीं मिला। (ग) सीट आवंटित प्रेषित है परंतु वे अपने उच्च वरीयता (Higher Preference) विषय/विकल्प का चयन करना चाहते हैं।
5. B.Tech. 6. B.Tech (Lateral Entry). 7. M.Tech. 8. MCA. 9. MBA पाठ्यक्रम हेतु	05th September 2026 10:00AM से 08th September 2026 11:59PM तक	09th September 2026 05:00 PM बजे	1- मैरिट सूची के अनुसार संस्था स्तर पर आवेदन हेतु आवसर् लेने के लिए अभ्यर्थी को संबंधित संस्था में 10th September 2026 प्रातः 10:00AM उपस्थित होना अनिवार्य होगा। 2- संस्था द्वारा आवेदित सीटों पर प्रवेश लेने की कार्यवाही 10th September 2026 01:00PM से 11th September 2026 01:00PM तक की जाएगी। 3- यदि संस्था में सीटें रिक्त रहती हैं तो 11th September 2026 अपराह्न 01:30PM बजे से 11th September 2026 अपराह्न 05:30PM बजे तक निम्नलिखित सभी अभ्यर्थियों को मैरिट सूची के अनुसार अवसर प्रदान किया जाएगा जो दिनांक 10th September 2026 को (क) उपस्थित नहीं हो गए (अनुपस्थित)। (ख) उपस्थित हुए लेकिन उन्हें आवेदन नहीं मिला। (ग) सीट आवंटित प्रेषित है परंतु वे अपने उच्च वरीयता (Higher Preference) विषय/विकल्प का चयन करना चाहते हैं।

महत्वपूर्ण निर्देश:- 1. विस्तृत नियम, अर्हता, ऑनलाइन आवेदन काउंसिलिंग प्रक्रिया, एवं आगामी संशोधनों की पूर्ण जानकारी हेतु निरंतर विभागीय वेबसाइट <https://dte.cg.gov.in/> एवं <https://egdtte.admissions.nic.in/> का अवलोकन करते रहें। 2. प्रत्येक वर्ग की काउंसिलिंग के लिए अभ्यर्थी को पृथक से ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा। 3. संस्था स्तर की काउंसिलिंग हेतु आवेदन करने पर, यदि अभ्यर्थी द्वारा किसी संस्था में प्रवेश लिया हुआ है, तो वह तब तक निरस्त नहीं होगा, जब तक की अभ्यर्थी संस्था स्तर की काउंसिलिंग में प्रवेश नहीं लेता। 4. रीवार्ड एवं शासकीय अवकाश के दिनों में भी प्रवेश संस्थाएं एवं सुविधा केंद्र खुले रहें। 5. किसी भी सहायता के लिए अभ्यर्थी सुविधा केंद्र एवं निरीक्षण कक्ष के दूरभाष क्रमांक 0771-2221376 पर कार्यवाहीन समय में संपर्क करें।

जी-262703065/1

अतिरिक्त संचालक, तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़

आस्था

टीरेंट सरल

गड संरक्षण के सन्देश म लउठी लागना

गड संरक्षण बर प्रचलित लोक विधान अभी घला ग्रामीण जीवन म चलत हे। जाने अनजाने जब कोनो मनखे के लउठी के मार ले कोनो गाय मर जाथे तब येला लउठी लागना कहे जाथे। जेकर हाथ ले ए अपराध हो जाथे तब सब ले पहिली वोहा अपन घर, परिवार अउ समाज के सियान ल अपन अपराध बताथे। काबर कि गड हत्या ल ब्रम्ह हत्या के समान माने गेहे। कहे जाथे जउन ह गड हत्या करके ये पाप ल लुका के राखथे, कोनो ल नी बताय वोकर आत्मा ह वोला धिक्कारत रहिये। खाय एके के जिनिस ह घलो वोला खून बरोबर लाल दिखथे। अन्न पानी नी सुहावय। दिन के चैन अउ रतिहा के नींद उड़ा जथे। तिहि पाय के गड हत्या के अपराधी मनखे अपन अपराध ल तुरते सियान मन ल बताथे।

सियान मन सुनता सलाह होके येकर कट कटाव करे बर अपराधी मनखे ल कथे कि तैहा इक्कीस गांव म घर घर किंजर के सब ल अपन पाप ल बतावत भीख मांग के अन्न अउ पइसा सकेल। जेखर ले कोई दूसर मनखे अइसन पाप करे के हिम्मत इन करय।

सियान मन के बताय मुताबिक अइसन मनखे ह इक्कीस गांव म भीख मांगथे अउ संझा अपन गांव के बाहिर कोनो बर पीपर पेड़ के छइहा म रात बसर करथे। अपन घर नी आया। बर पीपर ल हमर संस्कृति म देवता माने गेहे। मान्यता हे कि बर म बरम देव अउ पीपर म वासुदेव के निवास होथे। तेकर सेती ए पेड़ के लकड़ी ल नी जलाय। अइसन विधान हमर सियान मन बनाय हे। कतको मन बानबरद या अउ मान्यता वाले जग म जाके मुक्ति पाय बर जरूरी उदिम करथे।



लोक नाट्य

प्रो. अरिक्नी केशवानी

लोक नाट्य के कारण छत्तीसगढ़ का वृन्दावन कहलाया शिवरी नारायण

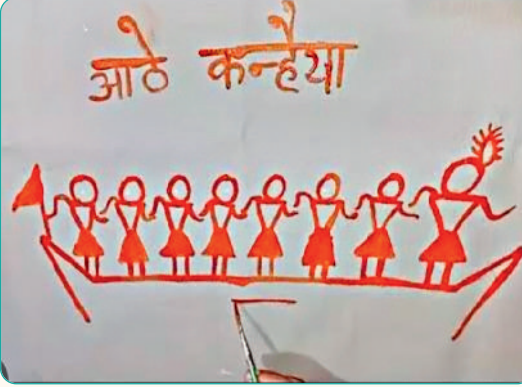


रायगढ़ के राजा भूपदेव सिंह के शासन काल में नगर दुरोगा ठाकुर रामचरण सिंह जात्रा से प्रभावित रास के निष्णात कलाकार थे। उन्होंने इस क्षेत्र में रामलीला और रासलीला के विकास के लिए अविस्मरणीय प्रयास किया। गौद, मलदा, नरियारा और अकलतरा रासलीला के लिए और शिवरीनारायण, किकिरदा, रतनपुर, सारंगढ़ और कवर्धा रामलीला के लिए प्रसिद्ध थे। नरियारा के रासलीला को इतनी प्रसिद्धि मिली कि उसे 'छत्तीसगढ़ का वृन्दावन' कहा जाने लगा। ठाकुर छेदीलाल बैरिस्टर, उनके बहनोई कोसिर सिंह और भांजा विश्वेसवर सिंह ने नरियारा और अकलतरा के रासलीला और रामलीला के लिए अथक प्रयास किए। उस काल में जांजगीर क्षेत्रान्तर्गत अनेक गम्मतहार सुरमिन दास, धरमलाल, लक्ष्मण दास चिकरहा को नाचा पार्टी में रास का यथेष्ट प्रभाव देखने को मिलता था। उस समय दादू सिंह गौद और ननका रहस मंडली, रानी गांव रासलीला के लिए प्रसिद्ध था। शिवरी नारायण का अभिनय संसार केवल छत्तीसगढ़ में ही नहीं वरन देश के कोने कोने में प्रसिद्ध था। हालांकि हर गांव में नाचा गम्मत, रासलीला और रामलीला पार्टी होती थी, लेकिन यहां की मंडली की बात ही कुछ और थी।

भित्ति चित्र

डा. पीलीलाल यादव

आठे कन्हैया के रूप में पूजे जाते हैं भित्ति चित्र



छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में आठे कन्हैया के प्रति अगाध आस्था है। भादो की गहन अँधेरी रात में जब बृजवासियों के जीवन में अंधेरा था, तब उन्हें शासक वर्ग द्वारा यातनाएं दी जाती थी, बेवजह दण्डित किया जाता था। सर्वत्र आतंक और अत्याचार का बोलबाला था, ऐसे वातावरण में श्रीकृष्ण का लोकोदय एक प्रकाशपुंज की भांति हुआ। बच्चे- बूढ़े, स्त्री -पुरुष सभी इस दिन उपवास रख कर आठे कन्हैया (भित्ति चित्र) की पूजा करते हैं। आठे कन्हैया यानि जन्माष्टमी भादो महीने के अष्टमी कृष्ण पक्ष को मनाई जाती है। श्रीकृष्ण देवकी के गर्भ से जन्म लेने वाले आठवीं संतान थे, और उनका लोक आवरण भी अष्टमी को हुआ। लोक को इन दोनों कारणों ने प्रभावित किया। इसलिए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को छत्तीसगढ़ के लोक मानस ने आठे कन्हैया के रूप में स्वीकार किया।आठे कन्हैया घर में सुलभ संसाधन जैसे चूड़ी रंग, स्याही, सेमी, भेंगरा या तराई पत्ते के कच्चे रंग से बने चित्र होते हैं। यह चित्र आठ की संख्या में होते हैं और श्रीकृष्ण जन्म के प्रतीक हैं।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- Choupalharibhoomi@gmail.com

अंचल में धूमधाम से मनाया जाता है कृष्ण जन्माष्टमी पर्व

परब विशेष

डा. ज्योति चंद्राकर

छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण अंचल में कृष्ण जन्माष्टमी को आठे कन्हैया व्रत भी कहा जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी को छत्तीसगढ़ में लोकपर्व के रूप में सामुदायिक रूप से मनाया जाता है। यह त्यौहार मुख्यतः जांजगीर चांपा जिले, राजनांदगांव के डोंगरगढ़, कबीरधाम जिला के कवर्धा और महासमुंद जिले के अलावा मैदानी भागों में धूमधाम से मनाया जाता है। इस व्रत को स्त्री-पुरुष व बच्चे सभी करते हैं। यह व्रत भादो माह के कृष्ण पक्ष के अष्टमी के दिन किया जाता है।

पूर्व समय में छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में कृष्ण जन्माष्टमी के दिन लोग घरों की दीवार पर आठ बालचित्र, देवकी के आठो संतान का तथा सांप, बिच्छू, नाग को कृष्णजी के प्राणरक्षक के रूप में दर्शाया जाता था। वासुदेवजी ने कृष्ण के जन्म पश्चात कृष्ण को सुप में रखकर यमुना नदी पार कर गोकुल पहुंचाए थे। इसी लोकभावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में शिशु जन्म के पश्चात शिशु को धान भरे सुप में सुलाया जाता है। इन्हीं आस्था व लोकविश्वास से प्रेरित होकर पूर्व समय में बालचित्रों का चित्रांकन घर की दीवारों में किया जाता था। वर्तमान समय में महासमुंद जिले में जन्माष्टमी का त्यौहार बहुत धूमधाम से सभी जाति के लोग मिलकर सामुदायिक रूप से राम मंदिर व राधाकृष्ण के मंदिर में मनाते हैं। यहाँ सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी को राधाकृष्ण मंदिर में सावन झूला बांधकर कृष्णजी के बाल प्रतीमा स्थापित कर प्रतिदिन संध्या आरती की जाती है। यह सावन झूला जन्माष्टमी



तक बंधा होता है, और जन्माष्टमी की रात्रि में गाँव के सभी जाति के लोग एकत्रित होकर रात्रि 12:00 बजे तक लूट, गुलाल - अबीर की होली खेली जाती है। कृष्ण जन्माष्टमी में धनिया की पंजरी, छेवारी लड्डू, राजगीरा का लड्डू, बैचाड़ी, सिंघाड़े की कतरा, फल,

मेवा खीर, सिंघाड़ा, माखन, मिश्री का भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया जाता है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में कृष्ण जन्माष्टमी सामुदायिक रूप से मंदिर में एकत्रित होकर भजन- पूजन के साथ मनाया जाता है।

लोक गीत : डा. सुधीर पाठक

भादो माह में गाया जाता है ठढ़िया करमा गीत



आठे माह में सरगुजा अंचल में एकादशी तिथि को करमा नृत्य गीत गाया जाता है। प्रस्तुति के समय गांव गांव के रिझवार (रिसिया) युवक युवतियाँ एकत्रित होते हैं, साथ में सचेत भी किया जाता है कि जिस स्थान पर नृत्य के लिए एकत्रित हो रहे हैं उस स्थान पर बरसात के कारण कोई तो नहीं जमा है। साथ ही कहा जाता है ऐसे स्थान का चयन करो जहां नाच और गान के लिए स्थान उपयुक्त हो। इस तरह सबके सहमति से स्थल चयन कर नाच -गान आरम्भ किया जाता है -

ओह रे... ए... रे... रिझोली गे तोरे लोभे...
खेले ले आएँ...। रिझोली गे... तोरे लोभे...।
भादो के महीना एकादशी दिना में...
पानी बरिस ले...
अंगना में काई बइठ गिस...
अंगना में बिजली मति गिरबे...
धीरे रसा खेलबे... अंगने बिजली मति गिरबे...।
फूटी जाहि मांदरी...
टूटी जाहि टंगना...
कै ते रुपिया मे मांदर बेसाय लेबो...
कै ते रुपिया म टंगना...
फूट जाहि मांदर...
टूट जाहि टंगना...
संगवारी ले पिरितिया जोड़ लेबो...।



सुरता

डा. परदेशी राम वर्मा

साहित्य और संस्कृति के मर्मज्ञ थे प. गंगा प्रसाद द्विवेदी



दुर्ग जिले के धमधा रोड के ग्राम मेडेसरा में गंगा प्रसाद द्विवेदी का जन्म हुआ था। अपने ज्ञान, मधुर स्वर और संगीतमय प्रस्तुति के कारण वे अंचल भर में कुछ वर्षों में ही प्रवचनकर्ता के रूप में प्रसिद्ध हो गए।आप प्रखर गांधीवादी व प्रख्यात भागवताचार्य थे। आपने संस्कृत शाला का संचालन किया। आपने लीला मंडली का संचालन कर अनेक शिष्य बनाए जो काफी समय तक आपकी परम्परा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देते रहे। छोटे छोटे गांव में आपकी

लीला मंडली की प्रस्तुति होती थी। इसके साथ ही ग्राम सुधार, मद्य निषेध, मेल मिलाप पर कैदित उनके नाटकों की बड़ी धूम रही। उन्होंने गांधीवादी दर्शन को नाटकों के माध्यम से प्रचारित किया। अंचल में सांस्कृतिक उत्थान के इतिहास में आपके योगदान को आज भी रेखांकित किया जाता है। साहित्य और भागवताचार्य के रूप में आपके सुपुत्र प. दानेश्वर शर्मा ने भी प्रदेश भर में अपनी पहचान बनाई, वे छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष भी बने।

गांव की कहानी : पूरन सिंह सिद्धार

यह गढ़ भंवरगढ़ के नाम से प्रसिद्ध था। पूर्व में फुलझार राज्य में सुव्यवस्थित संचालन के लिए कई गढ़ का निर्माण किया गया था। इन गढ़ों में भंवरगढ़ का महत्वपूर्ण स्थान था। राजवंश ने इसका निर्माण शासन व्यवस्था में सैनिक संतुलन बनाए रखने के लिए किया था। अन्य गढ़ों की अपेक्षा इसकी खाईयां पूर्व में बहुत गहराई लिए हुई थी।

वर्तमान सराईपाली से लगभग 15 कि मी पश्चिम की ओर भंवरगढ़ नामक एक बड़ा कस्बा है। इस कस्बा में एक बहुत बड़ा प्राचीन मैदानी गढ़ है, जिसे पूर्व में बैना राजाओं ने निर्माण किया था। यह गढ़ भंवरगढ़ के नाम से प्रसिद्ध था। पूर्व में फुलझार राज्य में सुव्यवस्थित संचालन के लिए कई गढ़ का निर्माण किया गया था। इन गढ़ों में भंवरगढ़ का महत्वपूर्ण स्थान था। राजवंश ने इसका निर्माण शासन व्यवस्था में सैनिक संतुलन बनाए रखने के लिए किया था। अन्य गढ़ों की अपेक्षा इसकी खाईयां पूर्व में बहुत गहराई लिए हुई थी। शत्रुओं को इस गहरी खाईयों को पार करना अत्यंत कठिन रहा होगा। प्रतीत होता है कि इस गढ़ के चतुर्दिक् तालाब के समान गहरी खाईयां थीं। गढ़ का प्रवेश द्वार पूर्व दिशा की ओर



था। चारों ओर रक्षिका देवी की स्थापना की गई थी। इस गढ़ के उत्तर पूर्व में राजमहल एवं भूमिगत निवास था। इटों एवं पत्थरों की क्षीण उपस्थिति से आभास होता है कि

गढ़ के ऊपर राज निवास था। बरेकेल अभिलेख में इस प्रकार का उल्लेख देखने को मिलता है। राजा भावर चंद प्रायः तलघर में ही निवास करते थे। अंतिम राजा

भावर चंद बैना को गोंड सरदार जैतसिंह ने मार कर तथा उसके सिर को काटकर और तत्कालीन राजधानी जगदला ले जाकर राजा मोंगरा साय के पास भेंट किया।



पारले बिस्कुट ने कोवूर को नियुक्त किया सीईओ

मुंबई। पारले-जी, मोनाको, हाइड एंड सीक और मेलोडी जैसे उत्पाद बनाने वाली पारले बिस्कुट ने जॉर्ज कोवूर को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की मंगलवार को घोषणा की। उनकी नियुक्ति एक सितंबर, 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। पारले ने बयान में कहा कि कोवूर को पेरिसको के साथ काम करने का तीन दशक से अधिक का अनुभव है। साथ ही उन्होंने उपभोक्ता कारोबार तथा विभिन्न बाजारों में काम किया है।

वीगालैंड के आईपीओ का मूल्य दायरा तय

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी वीगालैंड डेवलपर्स लिमिटेड ने अपने 210 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) का मूल्य दायरा 130 - 140 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसका आईपीओ बोली के लिए 10 सितंबर को खुलगा और 15 सितंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक नौ सितंबर को बोली लगा पाएंगे। वीगालैंड डेवलपर्स लिमिटेड ने बयान में कहा कि आईपीओ में 1.50 करोड़ तक नए शेयर जारी किए जाएंगे, जिससे कुल 210 करोड़ रुपये जुटाए जाने की योजना है।

हाई-टेक इंजीनियर्स 41 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। हाइड्रोलिक फिटिंग बनाने वाली कंपनी हाई-टेक इंजीनियर्स लिमिटेड का शेयर मंगलवार को 53 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 41.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 72 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 35.84 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर शेयर ने 41.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75 रुपये पर कारोबार की शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यंकन 716.99 करोड़ रुपये रहा।

एचएफसीएल को मिला केबल निर्यात का ठेका

नई दिल्ली। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एचएफसीएल को एक वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनी से ऑप्टिकल फाइबर केबल आपूर्ति का 24.4 करोड़ डॉलर (करीब 2,329 करोड़ रुपये) का निर्यात ठेका मिला है। एचएफसीएल ने हालांकि इस कंपनी का नाम साझा नहीं किया। यह समझौता दिसंबर 2029 तक तीन साल के लिए मिला है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी विदेशी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के जरिये उच्च गुणवत्ता वाले, अधिक फाइबर क्षमता वाले ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) की आपूर्ति की जाएगी।

आईटीसी इंपोटेक, हैपिएस्ट में हिस्सेदारी बढ़ाएंगी

नई दिल्ली। विविध कारोबारी क्षेत्रों में कार्यरत समूह आईटीसी लिमिटेड ने कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी आईटीसी इन्फोटेक लगभग 1,330 करोड़ रुपये में हैपिएस्ट माईइस टेक्नोलॉजीज में 22.1 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। यह घोषणा ऐसे सौदे का हिस्सा है, जिसके तहत दोनों कंपनियों के विलय से एक अरब अमेरिकी डॉलर की दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी बनेगी।

यात्री वाहनों की बिक्री ने अगस्त में पकड़ी रफ्तार, 35 प्रतिशत बढ़ी

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत में यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री अगस्त में करीब 35 प्रतिशत बढ़कर लगभग 4.5 लाख इकाई रहने का अनुमान है। मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों की मजबूत बिक्री से वाहन उद्योग की गति मिली है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा कि पिछले साल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती, आयकर में छूट और रेपो दर में कटौती से पैदा हुई मांग की गति का वाहन उद्योग को लगातार लाभ मिल रहा है तथा वह त्योहारों के दौरान अच्छे कारोबार की उम्मीद कर रहे हैं।

घरेलू बिक्री अगस्त में 4.5 लाख इकाई रहने का अनुमान

जीएसटी, ईएमआई और आयकर छूट से आई बिक्री में तेजी

बनर्जी ने कहा, “अनुमान है कि इस साल अगस्त में उद्योग का आंकड़ा करीब 4.5 लाख इकाई से अधिक रहा होगा, जिसमें 2,000 से 3,000 इकाई कम या ज्यादा हो सकती है। पिछले साल अगस्त में यह आंकड़ा करीब 3.3 लाख इकाई रहा था।” बनर्जी के अनुसार, उद्योग की वृद्धि के तीन प्रमुख कारण हैं। इसमें जीएसटी 2.0, रेपो दर में कटौती से ईएमआई यानी मासिक किस्त में कमी और 12 लाख रुपये तक की आय पर आयकर छूट शामिल हैं।



मारुति की सेल में आया 34.8 फीसदी का उछाल

बाजार की अगुाी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया की घरेलू बिक्री अगस्त में 34.8 प्रतिशत बढ़कर 1,76,971 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1,31,278 इकाई थी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) की घरेलू यात्री वाहन बिक्री अगस्त में 59 प्रतिशत बढ़कर 65,253 इकाई रही, जबकि अगस्त, 2025 में यह 41,001 इकाई थी।

सरकार का उद्देश्य जमाखोरी और सट्टेबाजी पर रोक लगाना

केंद्र सरकार ने चीनी कारोबारियों के लिए मंडारण सीमा घटाकर 2,000 क्विंटल की

एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्र ने चीनी कारोबारियों के लिए भंडारण सीमा को मंगलवार को और कड़ा करते हुए इसे 4,000 क्विंटल से घटाकर 2,000 क्विंटल कर दिया। यह सीमा 15 सितंबर से 30 नवंबर तक प्रभावी रहेगी। सरकार ने यह कदम चीनी की ऊंची खुदरा कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए उठाया है। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि एक अगस्त से लागू 4,000 क्विंटल की भंडारण सीमा कोलकाता और उसके आसपास शहरी व उपनगरीय इलाकों की “क्षेत्र विशिष्ट बाजार जरूरतों को देखते हुए” अपरिवर्तित रहेगी। मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य घरेलू बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा जमाखोरी एवं सट्टेबाजी पर रोक लगाना है।

खास बातें

- पहले कारोबारियों के लिए भंडारण सीमा 4,000 क्विंटल तय थी
- कारोबारी 30 दिन से अधिक समय तक भंडार नहीं रख सकता



2,000 क्विंटल से अधिक चीनी का भंडारण नहीं रखा जा सकेगा

संशोधित नियमों के तहत कोई कारोबारी चीनी प्राप्त होने की तारीख से 30 दिन से अधिक समय तक उसका भंडार नहीं रख सकता। साथ ही देश में किसी भी स्थान पर किसी भी समय 2,000 क्विंटल से अधिक चीनी का भंडार नहीं रखा जा सकता।

खुदरा चीनी की कीमतें अभी भी ऊंची बनी हुईं

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब खुदरा चीनी की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 31 अगस्त को चीनी का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 63.28 रुपये प्रति किलोग्राम था जो एक साल पहले के 46.02 रुपये प्रति किलोग्राम से 37 प्रतिशत अधिक है। शोक कीमतें भी सालाना आधार पर 36.28 प्रतिशत बढ़कर 58.40 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं।

एनसीएलटी ने चंद्रा की संपत्ति बेचने पर तत्काल लगाई रोक

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिवाला न्यायाधिकरण एनसीएलटी ने एस्सेल समूह के चेयरमैन सुभाष चंद्रा को अपनी संपत्तियां बेचने या हस्तांतरित करने से मंगलवार को रोक दिया। साथ ही उन्हें समूह की कंपनियों के कर्ज के लिए दी गई व्यक्तिगत गारंटी से जुड़े करीब 22,006 करोड़ रुपये के ढावों का लगभग 6.5 करोड़ रुपये में निपटान करने की अनुमति देने वाले आदेश पर भी रोक लगा दी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अनुपमिंद सिंह ग्रेवाल की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय विशेष पीठ ने कहा कि पुनर्भुगतान योजना पर स्पष्ट बहुमत नहीं बना और इसलिए आदेश को प्रभावी नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा, “यह स्पष्ट है कि



अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी

मेहता ने आगाह किया कि ऐसा नहीं होने पर मामले का “मूल आधार” खत्म हो सकता है। व्यायमूर्ति ग्रेवाल ने कहा कि न्यायाधिकरण चंद्रा और पुनर्भुगतान योजना का विरोध करने वाले कर्जदाताओं समेत सभी पक्षों की विस्तार से सुनवाई करेगा। चंद्रा के वकील द्वारा संक्षिप्त दलील रखने का अनुरोध किए जाने पर पीठ ने उनसे कहा, “हम विस्तार से सुनवाई करेंगे।” पांच सदस्यीय पीठ ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी।

कंपनी अधिनियम की धारा 419(5) के तहत बहुमत का कोई स्पष्ट मत नहीं है, जिसे प्रभावी किया जा सके। इसलिए तीसरे सदस्य निलेश शर्मा, सदस्य (न्यायिक) का 25 अगस्त, 2026 का आदेश स्थगित किया जाता है।” न्यायाधिकरण ने चंद्रा को व्यक्तिगत गारंटर बताते हुए यह भी निर्देश दिया कि वह “प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी

भी संपत्ति को हस्तांतरित नहीं करेंगे” और मामले में सभी पक्षों को नोटिस जारी किए। असहमत कर्जदाताओं की ओर से पेश सॉलिडिटर जनरल तृषार मेहता ने संपत्तियों के हस्तांतरण पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। असहमत कर्जदाताओं में एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, केनरा बैंक और यूनियन बैंक शामिल हैं।

बढ़ती तेल कीमतों के दबाव से बाजार में मामूली गिरावट

एजेसी ►► मुंबई

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बढ़ने से मंगलवार को निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई और घरेलू शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति को लंबे समय तक सख्त ब ना ए रखने की आशं का बढ़ने से भी दुनिया के उभरते बाजारों में जोखिम लेने की धारणा प्रभावित हो रही है। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक संसेक्स 12,99 अंक गिरकर 76,944.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 301.15 अंक गिरकर



76,656.12 अंक तक आ गया था। लेकिन समापन नीलामी सत्र (सीएसएस) के दौरान इसने अधिकांश नुकसान की भरपाई कर ली। इसी तरह निफ्टी 24.60 अंक गिरकर 24,055.80 अंक पर बंद हुआ। संसेक्स की कंपनियों में से मारुति, भारतीय स्टेट बैंक, इंटरनेट एंक्विजिशन (इंडिगो), बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एक्सिस बैंक में प्रमुख रूप से गिरावट दर्ज की गई। दूसरी तरफ, आईटीसी, एचसीएल टेक, इमफोसिस और भारती एयरटेल बढ़त वाले प्रमुख शेयरों में शामिल रहे।

ब्रेट कूड 92.33 डॉलर प्रति बैरेल पहुंचा

इस बीच, पश्चिम एशिया में नए सिर से तनाव बढ़ने के चलते वैश्विक तेल मानक ब्रेट कूड 2.03 प्रतिशत बढ़कर 92.33 डॉलर प्रति बैरेल पर पहुंच गया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, “बाजार भारत की मजबूत वृद्धि की रफ्तार और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच संतुलन बना रहा है।”

एशिया के बाजार में मिलाजुला रुख

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कंपोसि बढ़त में रहा, जबकि जापान का निक्की, चीन का शेंगई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार दोपहर के समय गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को नुकसान में बंद हुए थे।

सोना 2,700 रुपए और चांदी 5,000 रुपए टूटी

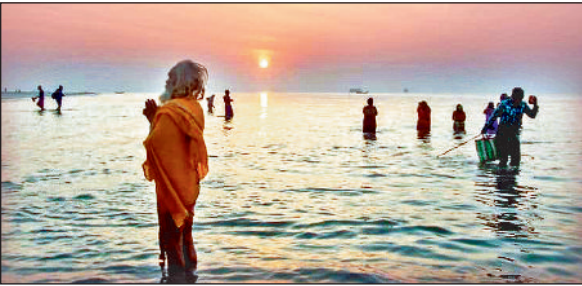
एजेसी ►► नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर बिकवाली के बीच सोने की कीमतों में मंगलवार को लगातार पांचवें दिन गिरावट आई। राष्ट्रीय राजधानी में सोना 2,700 रुपये टूटकर 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,700 रुपये घटकर लगभग दो सप्ताह



के निचले स्तर 1,58,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गई, जबकि सोमवार को यह 1,60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत में भी 5,000 रुपये की गिरावट आई और यह 2,40,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। सोमवार को यह 2,45,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही थी। सरफा पर दबाव इसलिए बना क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच नए तनाव से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं, जिससे महंगाई की चिंताएं बढ़ गईं और ब्याज दरों के परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित हो गया।

गंगासागर यात्रा के लिए स्पेशल ट्रेन होगी रवाना, बुकिंग शुरू



रायपुर। श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति द्वारा आयोजित गंगासागर तीर्थ यात्रा को लेकर रेलवे स्तर पर प्रक्रिया शुरू हो गई है। समिति ने स्पेशल ट्रेन संचालन के लिए रेलवे में आवेदन के साथ 9 लाख रुपए जमा कर दी है। रेलवे की आवश्यकताओं और ट्रेन संचालन से जुड़ी प्रक्रिया को लेकर समिति द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। 18 से 25 सितंबर 2026 तक प्रस्तावित इस विशेष तीर्थ यात्रा में श्रद्धालुओं को गंगासागर के साथ श्री जगन्नाथ पुरी, माँ कामाख्या देवी और कोलकाता के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। कोलकाता में दक्षिणेश्वर काली मंदिर, कालीघाट काली मंदिर और बेलूर मठ के दर्शन भी यात्रा में शामिल हैं। समिति के अनुसार यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है और बड़ी संख्या में यात्री अपना पंजीयन करा चुके हैं। यात्रा के लिए अब केवल 50 सीटें शेष हैं। इच्छुक श्रद्धालुओं से शीघ्र बुकिंग कराने की अपील की गई है, ताकि वे इस विशेष तीर्थ यात्रा में शामिल हो सकें।

जीएसटी का 15 फीसदी बढ़ा कलेक्टान सजाने में आए 2 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का कुल संग्रह अगस्त में सालाना आधार पर 14.8 प्रतिशत बढ़कर करीब दो लाख करोड़ रुपये हो गया। अप्रैल-जून तिमाही में शुल्क संबंधी चुनौतियों और पश्चिम एशिया संकट के बावजूद मजबूत आर्थिक गतिविधियों तथा खपत के दम पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के आधिकारिक आंकड़े जारी होने के एक दिन बाद आए अगस्त के जीएसटी संग्रह के आंकड़े साझा किए गए हैं। घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 9.3 प्रतिशत बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

सीईओ ने कहा कि सूचीबद्ध कंपनियों के रूप में एलआईसी को देश के वित्त और गाम्भी क्षेत्रों तक पहुंच बनाने के अपने सामाजिक दायित्व तथा सार्वजनिक श्रेयधारकों की रिटर्न संबंधी चुनौतियों और पश्चिम एशिया संकट के बावजूद मजबूत आर्थिक गतिविधियों तथा खपत के दम पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के आधिकारिक आंकड़े जारी होने के एक दिन बाद आए अगस्त के जीएसटी संग्रह के आंकड़े साझा किए गए हैं। घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 9.3 प्रतिशत बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

2.50 करोड़ व्यक्तिगत ढावों का निपटान

पिछले वित्त वर्ष में एलआईसी ने 2.50 करोड़ व्यक्तिगत ढावों का निपटान किया, जिनमें 2.41 करोड़ परिपक्वता और ‘सर्वाइवल बैलिफिट’ दावे शामिल हैं। इस दौरान 2.80 लाख करोड़ रुपये के परिपक्वता दावों और 24,885 करोड़ रुपये के मृत्यु दावों का मुकताब किया गया।

मृत्यु दावों का निपटान 99.44 फीसदी रहा
व्यक्तिगत मृत्यु दावों के निपटान का अनुपात 99.44 प्रतिशत रहा। एलआईसी एक सितंबर, 1956 को संसद के अधिनियम के जरिये अस्तित्व में आई थी। यह वर्ष 2022 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई थी।

एलआईसी के 70वें स्थापना दिवस पर दुर्इस्वामी ने कहा

एलआईसी के उत्पादों की मांग बढ़ने की उम्मीद : सीईओ

एजेसी ►► नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक आर. दुर्इस्वामी ने मंगलवार को कहा कि कम बीमा पहुंच, आर्थिक वृद्धि, बढ़ती घरेलू आय, वित्तीय जागरूकता और लंबी जीवन प्रत्याशा से आने वाले वर्षों में बीमा सुरक्षा, बचत और पेंशन उत्पादों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड (एलआईसी) के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर दुर्इस्वामी ने कहा कि आने वाले समय में बीमा उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ वितरण व्यवस्था और उत्पाद पोर्टफोलियो को अधिक प्रतियोगी एवं डिजिटल बाजार के अनुरूप ढालना ही कंपनी के अगले चरण को तय करेगा।



गाहकों के पास पहले की तुलना में आज अधिक विकल्प
सीईओ ने कहा कि गाहकों के पास आज पहले की तुलना में अधिक विकल्प हैं और प्रौद्योगिकी ने उनकी अपेक्षाओं को बदल दिया हैं। खासकर युवा गाहक बीमा के सरल, व्यक्तिगत और तत्काल उपलब्ध होने की उम्मीद करते हैं।

कंपनी अपना उत्पाद पोर्टफोलियो बढ़ाएंगी

दुर्इस्वामी ने कहा कि एलआईसी अपना उत्पाद पोर्टफोलियो बढ़ाने, प्रौद्योगिकी में सुधार, पॉलिसी नवीनीकरण दर तथा वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रही है। साथ ही, आर्थिक अस्थिरता बढ़ने के बीच पॉलिसीधारकों को प्रतियोगी प्रतिफल देने के लिए कंपनी अपनी परिसंपत्ति प्रबंधन क्षमता को मजबूत कर बेहतर रिटर्न हासिल करने पर भी काम करेगी।



**आयुर्वेदिक ताक़त,
दर्द से तुरंत राहत**

**प्रदिक्षा
आर्थो ऑयल**

**MRP
₹ 120/-**

**साइड
इफेक्ट
रहित**

**घुटने का दर्द, साइटिका, गठिया, हड्डियों का दर्द,
मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात,
संधिवात और मोच में तेज असर**

सुपर स्टॉकिस्ट

- पंकज मेडीकोज, बिलासपुर 6261187686
- राजनांदांवांव • महेश एजेन्सी 700616262
- ताराचंद चितलांगीया & कं. 9907420754
- नथानी एजेंसी, रायपुर 7746032260

Customer Care : 1800 120 3133
Trade Enquiry : +91 9112637000, 9823286830, www.pradikshaherbals.com

**सभी प्रमुख
मेडीकल्स में
उपलब्ध**



यहां बारहसिंघा का दूध पीते हैं लोग, दुनिया में है सबसे अनोखा !

उलानबातर। मंगोलिया की ठंडी और कठिन जलवायु में जीवन आसान नहीं है। उत्तर के टेगा क्षेत्रों में तापमान बहुत कम हो जाता है और संसाधन सीमित रहते हैं। ऐसी परिस्थितियों में एक खास समुदाय रहता है जो गाय-भैंस या बकरी के बजाय रेनडियर पालता है। हिंदी में इसे कभी-कभी बारहसिंघा कह दिया जाता है, हालांकि वैज्ञानिक रूप से यह रेनडियर (रिंगफर टारंडस) है। इन लोगों को दुखा या त्सातान कहा जाता है। वे रेनडियर का

दूध निकालकर पीते हैं और इसे दुनिया के अनोखे मिल्क्स में गिना जाता है। दुखा समुदाय मंगोलिया के खोव्सगोल प्रांत के जंगली और पहाड़ी इलाकों में घुमंतू जीवन जीता है। वे रेनडियर को मुख्य रूप से दूध, परिवहन और ऊन के लिए पालते हैं। दूध निकालना महिलाओं का काम होता है। सुबह बछड़ों को बांध दिया जाता है ताकि मां का दूध जमा हो। दोपहर बाद दूध दुहा जाता है। बचे हुए दूध को बछड़ा के लिए छोड़ दिया जाता है।

बेहद गुणकारी है ये दूध

रेनडियर का दूध गाढ़ा, पोष्टिक और खास स्वाद वाला होता है। इसमें फेट और प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है जो ठंडे मौसम में ऊर्जा प्रदान करती है। लोग इसे चाय में मिलाकर पीते हैं, दही, पनीर और यहां तक कि बेड भी बनाते हैं। रेनडियर मिल्क बेड इस समुदाय की खास पहचान है। दूध को नदी के ठंडे पानी में रखकर सुरक्षित रखा जाता है। मांस की बात करें तो दुखा लोग रेनडियर को आसानी से नहीं मारते। वे इसे परिवार का हिस्सा मानते हैं। मांस तभी खाया जाता है जब जानवर स्वाभाविक रूप से मर जाए। आहार मुख्य रूप से दूध उत्पादों, जंगली शिकार और अन्य उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करता है। रेनडियर पर सवारी भी की जाती है और सामान ढोने के काम आता है।



गुरिकल है सर्वाइवल

यह जीवनशैली बेहद कठिन है। सर्दी में तापमान माइनस में चला जाता है। भेड़ियों से सुरक्षा, चारे की व्यवस्था और आधुनिक सुविधाओं से दूरी चुनौतियां पैदा करती है। फिर भी समुदाय अपनी परंपराओं को बचाए रखने की कोशिश कर रहा है। युवा पीढ़ी को दूध दुहने और डेयरी उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि ज्ञान आगे बढ़े। रेनडियर मिल्क को अनोखा इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यह आम डेयरी जानवरों से अलग प्रजाति का है और बहुत कम जगहों पर ही उपलब्ध होता है। पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण यह ठंडे इलाकों में जीवनयापन के लिए आदर्श है। स्वाद और बनावट भी गाय के दूध से भिन्न होती है। मंगोलिया में अन्य जानवरों जैसे घोड़ा, ऊट, याक, भेड़-बकरी का दूध भी पिया जाता है, लेकिन रेनडियर मिल्क दुखा समुदाय तक सीमित है।

रोचक खबरें

यहां होता है मशीनों का अंतिम संस्कार! फैक्ट्री से हटने के बाद दिया जाता है सम्मान

टोक्यो। दुनिया भर में अंतिम संस्कार या विदाई समारोह आमतौर पर इंसानों के लिए होते हैं। परिवार और दोस्त इकट्ठा होते हैं, श्रद्धांजलि देते हैं और अंतिम विदाई देते हैं। लेकिन, क्या आपने कभी मशीनों का अंतिम संस्कार देखा या सुना है? जापान में यह अनोखी और भावुक परंपरा सदियों से चली आ रही है। यहां फैक्ट्री या कारखाने में 20 से 30 साल या उससे ज्यादा समय तक ईमानदारी से काम करने वाली मशीनों को हटाने से पहले पूरा सम्मान दिया जाता है। कर्मचारी मशीन के सामने सिर झुकाते हैं, मौन रखते हैं और उसके वर्षों के योगदान के लिए धन्यवाद कहते हैं। आज के समय में ज्यादातर जगहों पर जब कोई मशीन पुरानी हो जाती है, खराब हो जाती है या नई तकनीक आ जाती है तो उसे सीधे हटाकर कबाड़ या रिसाइक्लिंग में भेज दिया जाता है। मशीनों से कोई विशेष भावना नहीं जुड़ी होती। लेकिन, जापान की कुछ कंपनियों और कारखानों में यह रवैया बिल्कुल अलग है। वहां मशीन को सिर्फ लोहा-लकड़ी या धातु का ढांचा नहीं माना जाता। उसे एक साथी, एक सहयोगी की तरह देखा जाता है, जिसने सालों तक उत्पादन में अहम भूमिका निभाई है। इस वजह से उन्हें सम्मानजनक विदाई दी जाती है।

दुनिया का अनोखा आइलैंड, जहां इंसानों से ज्यादा नजर आते हैं केकड़े

सिडनी। आमतौर पर अगर सड़क पर एक-दो केकड़े भी चलते हुए दिख जाएं तो लोग हैरान हो जाते हैं। लेकिन जरा सोचिए, अगर किसी सड़क पर एक साथ हजारों-लाखों केकड़े नजर आएं और दूर तक सिर्फ लाल रंग ही दिखाई दे, तो नजारा कैसा होगा? ऑस्ट्रेलिया में मौजूद एक ऐसा द्वीप है, जहां साल के एक खास समय में कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिलता है। यहां सड़कें, जंगल और घरों के आसपास की जगहें लाल केकड़ों से भर जाती हैं। यह अनोखा नजारा क्रिसमस आइलैंड पर देखने को मिलता है। हर साल प्रजनन के मौसम में करोड़ों लाल केकड़े अपने प्राकृतिक आवास से समुद्र की ओर निकल पड़ते हैं। उस समय पूरा द्वीप जैसे केकड़ों की एक लंबी यात्रा का गवाह बन जाता है। क्रिसमस आइलैंड पर लाल केकड़ों की मौजूदगी कोई नई बात नहीं है, लेकिन साल के एक खास समय में इनकी संख्या देखकर हर कोई हैरान रह जाता है। जंगल से निकलकर ये केकड़े सड़कों और इंसानी बस्तियों के बीच से गुजरते हुए समुद्र की ओर बढ़ते हैं।

न सड़क, न गाड़ी... अब ड्रोन पहुंचाएंगे विट्ठियां और पार्सल

नई दिल्ली। भारतीय डाक सेवा अब तकनीक के नए दौर में कदम रख रही है। देश के उन इलाकों तक, जहां सड़क के रास्ते पहुंचना मुश्किल और समय लेने वाला काम होता है, वहां अब ड्रोन के जरिए चिट्ठियां और पार्सल पहुंचाने की तैयारी हो रही है। असम और हिमाचल प्रदेश जैसे भौगोलिक रूप से चैलेंजिंग राज्यों में इस नई व्यवस्था पर काम शुरू किया गया है। पहाड़ों, नदियों और जंगलों के कारण कई गांवों तक जरूरी सामान पहुंचाने में घंटों लग जाते हैं। ऐसे में ड्रोन तकनीक डाक सेवाओं की तत्सवीर बदल सकती है। खासतौर पर दवाओं, जरूरी डॉक्यूमेंट्स और पार्सल को कम समय में दूर-दराज के इलाकों तक पहुंचाने में यह व्यवस्था अहम साबित हो सकती है। हिमाचल प्रदेश में डाक विभाग ने स्काई एयर मोबिलिटी की साथ मिलकर ड्रोन नेटवर्क पर काम शुरू किया है। यहां कुल 110 ड्रोन रूट्स पर काम चल रहा है, जिनके जरिए दूरस्थ गांवों को बेहतर तरीके से जोड़ने की योजना है। इस तकनीक की टैस्टिंग के दौरान बेहद दिलचस्प नतीजे सामने आए। जिस दूरी को सड़क या पैदल रास्ते से तय करने में करीब 2 घंटे लगते थे, उसी रास्ते को ड्रोन ने सिर्फ 7 मिनट में पूरा कर लिया।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कांस्मेटिक सर्जरी सेंटर

कांस्मेटिक सर्जरी

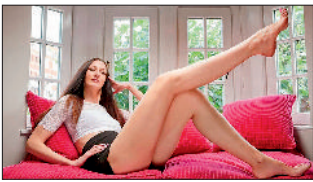
झुरियां, झांझ, दाग, तिल, अनचाहे बाल आदि (आधुनिक लेजर द्वारा), मुंहासे, दाग, नाक, होठ, ठोड़ी, वक्ष, पेट आदि (प्लास्टिक सर्जरी द्वारा) तथा अंग कटने-जलने की अति विशेष चिकित्सा.

आर.के.सी.के.सामने, चौथे कालोनी एवं पंचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलस मील के पास, रायपुर कॉल: 9827143060/8871003060

Alay Advt.

लंबी टांगों वाली महिला के नाम से हुई मशहूर, घूर-घूर कर देखते हैं लोग

न्यूयार्क। दुनिया में ऊंची महिलाओं को हमेशा खास नजरों से देखा जाता है। 6 फीट 10 इंच यानी करीब 208 सेंटीमीटर लंबी नैसी मुल्के भी इससे अछूती नहीं हैं। टेक्सास अमेरिका की रहने वाली ये बास्केटबॉल प्लेयर और कोच अपनी लंबी टांगों और कद के कारण सोशल मीडिया पर काफी फेमस हो गई हैं। लोग उन्हें घूर-घूर कर देखते हैं और निजी जिंदगी को लेकर सवालियों की बौछार कर शेरार किए हैं। उन्होंने बताया कि उनकी



ऊंचाई के कारण अजनबी लोग भी बिना झिझक सवाल पूछ लेते हैं। सबसे ज्यादा परेशान करने वाला सवाल होता है – ‘आपके माता-पिता कितने लंबे हैं?’ नैसी कहती हैं कि ये सवाल सुनते ही लगता है जैसे कोई जेनेटिक्स डॉक्यूमेंट्री

का इंटरव्यू ले रहा हो। फिर तो सवालों का सिलसिला शुरू हो जाता है। लव लाइफ पर करते हैं अटैक : ऊंचाई के साथ लव लाइफ को लेकर भी सवाल आम हैं। लोग पूछते हैं कि इतनी लंबी होने के कारण डेटिंग में दिक्कत तो नहीं होती, या फिर उन्हें छोटे लड़के पसंद हैं या लंबे? नैसी ने इस पर भी साफ बात कही है। उन्होंने बताया कि उन्होंने कई ऐसे पुरुषों से मुलाकात की है जो उनसे छोटे हैं, लेकिन उनमें कॉन्फिडेंस कहीं ज्यादा है।

पूछते हैं ऐसे-ऐसे सवाल

नैसी से कई तरह के सवाल किये जाते हैं। इसमें भाई-बहन कितने लंबे हैं, पांचवी कक्षा में आपकी ऊंचाई क्या थी, जूतों का साइज कितना है जैसे सवाल आ जाते हैं। कभी-कभी तो पूरा पारिवारिक मेडिकल हिस्ट्री बताना पड़ जाता है। नैसी ने इंस्टाग्राम पर अपने 2 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स से कहा कि काश लोग लंबी महिलाओं से ये सवाल पूछना बंद कर दें। समझ में आता है कि कितना ज़िझासा होती है लेकिन ये थका देने वाला हो जाता है। पोस्ट में किसी ने कहा कि लाल बाल वालों से भी ऐसे ही सवाल पूछे जाते हैं कि बाल किससे मिले। किसी ने मजाक में लिखा कि सिर्फ इतना पूछो कि 10 फीट ऊंची छत का बल्ब बदल सकती हो क्या?

दूर से देखने पर लगता है पूरा जंगल!

ब्रासीलिया। जंगल में घूमते समय अगर आपको एक जगह सैकड़ों तने और चारों तरफ फैली हरियाली दिखाई दे, तो आप यही समझेंगे कि यहां बहुत सारे पेड़ होंगे। लेकिन जरा सोचिए, अगर कोई आपसे कहे कि यह पूरा फैलाव सिर्फ एक ही पेड़ का है, तो शायद आपको यकीन न हो। ब्राजील में मौजूद एक विशाल काजू का पेड़ कुछ ऐसा ही है। इसकी शाखाएं जमीन तक पहुंचकर दोबारा जड़ें बना लेती हैं और फिर नए तनों का रूप ले लेती हैं। यही सिलसिला सालों से चलता आ रहा है और आज यह पेड़ दूर से किसी घने जंगल जैसा नजर आता है। ब्राजील के रियो ग्रांडे डो नॉर्टे राज्य में पिरांगी बीच के पास मौजूद इस विशाल काजू के पेड़ को ‘काजू डो काजू’ यानी काजू का सबसे बड़ा पेड़ के नाम से जाना जाता है।

1888 में लगाए गए ये काजू के पौधे

इस पेड़ से जुड़ी स्थानीय कहानी भी काफी दिलचस्प है। बताया जाता है कि साल 1888 में एक मछुआरे ने यहां दो काजू के पौधे लगाए थे। इनमें से एक पौधा समय के साथ सामान्य तरीके से बढ़ने के बजाय आसपास की जमीन पर फैलने लगा। शाखाएं जैसे-जैसे बड़ी हुईं, उनका वजन उन्हें नीचे की ओर ले आया। कई शाखाएं जमीन तक पहुंच गईं और वहां उन्होंने जड़ें बना लीं। धीरे-धीरे इनसे नए तने बनने लगे और पेड़ का फैलाव बढ़ता चला गया। आज यही प्रक्रिया इस काजू के पेड़ को इतना विशाल बना चुकी है कि पहली नजर में इसे एक पेड़ के जगह लोग इसे पूरा जंगल ही मानते हैं।



इसलिए कहा जाता है आलस का पेड़

इस विशाल काजू के पेड़ को स्थानीय तौर पर आलस का पेड़ भी कहा जाता है। इसके पीछे कोई वैज्ञानिक वजह नहीं, बल्कि इसकी घनी छांव से जुड़ी एक मजेदार धारणा है। कहा जाता है कि पेड़ के नीचे इतनी ठंडी और आरामदायक छांव मिलती है कि वहां बैठने या लेटने के बाद लोगों का उठने का मन ही नहीं करता।

आखिर एक पेड़ इतना फैल कैसे गया?

इस पेड़ की सबसे बड़ी खासियत इसकी शाखाओं का जमीन से दोबारा जुड़ना है। सामान्य पेड़ों में नीचे झुकने वाली शाखाएं अक्सर टूट जाती हैं, लेकिन इस काजू के पेड़ की कुछ शाखाएं जमीन को छूने के बाद जड़ें विकसित कर लेती हैं। इन जड़ों से नए तने तैयार होते हैं और वे मूल पेड़ से जुड़े रहते हैं। इस तरह एक ही पेड़ धीरे-धीरे कई तनों और शाखाओं का विशाल नेटवर्क बना लेता है। यही वजह है कि यहां एक पेड़ का फैलाव इतना बड़ा दिखाई देता है कि लोग इसे देखकर अक्सर इसे पूरा जंगल समझ लेते हैं।

क्या 1982, 1997 और 2015 से भी ज्यादा खतरनाक होगा आने वाला तूफान?

सामने आई चौकाने वाली रिपोर्ट

वॉशिंगटन। क्या आपने कभी सोचा है कि समुद्र की गहराइयों में छिपे 1,000 साल पुराने मृगे हमारी आने वाली तबाही की भविष्यवाणी कर सकते हैं? जी हां, वैज्ञानिकों को समुद्र के नीचे एक ऐसी टाइम मशीन मिली है जिसने अल नीनो और क्लाइमेट चेंज के सबसे खौफनाक सच से पर्दा उठा दिया है। पापुलर मैगजीन ‘साइंस’ में छपी एक रिसर्च के मुताबिक, इसानी गतिविधियों और फॉसिल प्यूल्स के इस्तेमाल से हमारी धरती इतनी गर्म हो चुकी है कि अब अल नीनो का रूप पिछले 1,000 सालों में सबसे ज्यादा खतरनाक हो चुका है। इसका सीधा असर हमारी फसलों, मौसम और आने वाले कल पर पड़ने वाला है। आइए समझते हैं कि 1,000 साल पुराने कोरल का यह स्टडी हमें क्या चेतावनी दे रहा है।



अल नीनो आखिर क्या है और इसका हम पर क्या असर पड़ता है?

अल नीनो प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में पानी के असामान्य रूप से गर्म होने की एक प्रक्रिया है। जब यह समुद्री पानी गर्म होता है, तो पूरी दुनिया का मौसम चक बिगड़ जाता है। इसके कारण कई देशों में भीषण सूखा पड़ता है तो कई जगहों पर अचानक बाढ़ और तबाही मच जाती है। वर्तमान में प्रशांत महासागर में एक बहुत बड़ा अल नीनो विकसित हो रहा है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह 1982, 1997 और 2015 में आए अल नीनो के चारे रिकॉर्ड तोड़ सकता है। इसके असर से मध्य अमेरिका में सूखा गहरा रहा है और इंडोनेशिया के जंगलों में भयावह आग लग रही है।

हमें तुरंत संगठन की जरूरत है

अध्ययन की मुख्य लेखिका जुलिया कोल का कहना है कि हमारे कोरल अतीत में झांकने की टाइम मशीन हैं, भविष्य की नहीं। लेकिन जो टूट हम आज अपनी आंखों से हर दिन देख रहे हैं, वह इस बात का सबूत है कि धरती का गर्म होना अब एक गंभीर संकट बन चुका है।

1,000 साल पुराने समुद्री मृगों ने खोला अल नीनो का खौफनाक राज

हमारी पृथ्वी का मौसम बहुत तेजी से बदल रहा है। वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने की कोशिश कर रहे थे कि क्या इंसानों द्वारा फैलाया जा रहा प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग अल नीनो जैसी समुद्री घटनाओं को और ज्यादा खतरनाक बना रहा है। हाल ही में मशहूर ‘साइंस’ मैगजीन में प्रकाशित एक नए रिसर्च ने इस बात की पुष्टि कर दी है। वैज्ञानिकों ने गैलापागोस द्वीप समूह में पाए जाने वाले 1,000 साल पुराने कोरल यानी मृगों के कंकालों का अध्ययन किया है। इस अध्ययन से पता चला है कि इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन से पहले की तुलना में आज का अल नीनो कहीं ज्यादा बड़ा और विनाशकारी हो चुका है। यह समुद्री बदलाव 1982, 1997 और 2015 में आए ऐतिहासिक अल नीनो से भी कहीं ज्यादा खतरनाक और विनाशकारी साबित हो सकता है।

फैला रही अंधेरे गांवों में उजाला ! इंजीनियर बनी इस जनजाति की महिलाएं गांव-गांव लगा रही सोलर पैनल

डोमोमा। तंजानिया की मसाई जनजाति सदियों से अपनी पारंपरिक जीवनशैली के लिए जानी जाती है। ये लोग मुख्य रूप से पशुपालन पर निर्भर रहते हैं, रंग-बिरंगे कपड़े पहनते हैं और मॉडर्न दुनिया से काफी दूर अपनी संस्कृति संजोए हुए हैं। लेकिन, अब इस जनजाति में एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। मसाई समुदाय की महिलाएं अब सोलर इंजीनियर बन रही हैं। वे खुद ट्रेनिंग लेकर दूर-दराज के गांवों में सोलर पैनल लगा रही हैं और उन इलाकों में उजाला फैला रही हैं जहां आज तक बिजली की सुविधा नहीं पहुंच पाई थी। यह कहानी सिर्फ सोलर एनर्जी की नहीं है। यह महिलाओं के सशक्तीकरण, स्थानीय नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की कहानी है। पहले ये महिलाएं घर और परिवार तक सीमित रहती थीं। अब वे तकनीकी कौशल सीखकर पूरे समुदाय की जिंदगी बदल रही हैं। लेकिन, पिछले कुछ सालों में विभिन्न संगठनों और स्थानीय पहलों के जरिए महिलाओं को सोलर टेक्नोलॉजी की ट्रेनिंग दी जा रही है। ट्रेनिंग में महिलाओं को सोलर पैनल लगाना, सिस्टम चेक करना, छोटी-मोटी खराबी ठीक करना और मटेनेंस सिखाया जाता है। वे बैटरी, इनवर्टर और वायरिंग की बेसिक समझ



विकसित करती हैं। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद ये महिलाएं अपने-अपने आसपास के गांवों में जाकर पैनल इंस्टॉल करती हैं। कई बार वे टीम बनाकर काम करती हैं और एक-दूसरे की मदद करती हैं। सोलर पैनल लगने से गांवों में क्या बदलाव आया है, यह देखकर हैरानी होती है। पहले अंधेरे में बच्चे पढ़ नहीं पाते थे। अब सोलर लाइट की रोशनी में वे रात को भी पढ़ाई कर सकते हैं। महिलाएं रात में घर का काम आसानी से कर लेती हैं।

आप कितने स्वस्थ हैं? जानिए

एक नियमित वेलनेस चेकअप आपके आज की सुरक्षित और कल की मजबूत करता है

वेलनेस गोल पैकेज ₹1500/-

(20 से 40 साल की उम्र के लिए)

वेलनेस जर्नी पैकेज ₹2000/-

(40 से 60 साल की उम्र के लिए)

● प्रत्येक शुक्रवार एवं शनिवार ● सीमित सीट

रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें
9109956720
9926386660

सुयश हॉस्पिटल

कोटा-गुदियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर

Ajay 9827144371